सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 273 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 16 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

मंत्री बनने के बाद कांकेर पहुंचे मरकाम, कहा- दीपक बैज सभी विधानसभा में देंगे समय, 75 प्लस का टारगेट किया जाएगा पूरा

कांकेर। छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री बनने के बाद पहली बार पूर्व पीसीसी चीफ मोहन मरकाम रविवार को कांकेर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया, वहीं मरकाम ने मीडिया के तमाम सवालों का भी जवाब दिया। मरकाम ने कहा कि, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है, लेकिन उनके चार साल पूरे हो गए थे। कहा कि, दीपक बैज को इसलिए प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, ताकि विधानसभा की 90 सीटों पर समय दे सकें। अगर वे चुनाव के समय प्रदेश अध्यक्ष होते, तो शायद उतना समय नहीं दे पाते या नहीं।

इस बार भी बस्तर की सभी सीटें जीतेंगे

मंत्री मोहन मरकाम ने कहा कि, पार्टी समय-समय पर फैसले लेती है, और जहां जिसकी जैसी उपयोगिता होती है, वहां लगाया जाता है। हमारे ऊर्जावन सांसद दीपक बैज बस्तर से आते हैं, इसीलिए उनको प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। हम लोग जमीन से उठकर इन पदों तक पहुंचे हैं। हम संगठन को जमीन से बारीकी से समझते हैं। हमें लगता है कि मुख्यमंत्री साहब के मार्गदर्शन और शैलजा कुमारी व केंद्रीय नेतृत्व में दीपक बैज व सभी कार्यकर्ता मिल-जुल कर काम करेंगे। पिछले चुनाव में बस्तर से सभी 12 विधानसभा सीट जीती है। इस बार भी बस्तर की जनता आशीर्वाद देगी।

जल्द भरे जाएंगे सहायक आयुक्तों के पद

आदिम जाति अनुसूचित जनजाति विकास विभाग मंत्री पद मिलने पर मरकाम ने कहा कि, एसटी, एससी, ओबीसी और माइनॉरिटी, जो छत्तीसगढ़ की जनसंख्या से लगभग 85 प्रतिशत निवासरत हैं। उनके विकास के लिए, उनकी प्रगति के लिए, उनके कार्य योजनाओं को संचालन करना हमारे विभाग की जिम्मेदारी है। हमारी जवाबदारी होगी कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक मिले। कहा कि, आदिम जाति विभाग में सहायक आयुक्तों के आधा दर्जन से ज्यादा पद खाली हैं। हॉस्टल से लेकर क्रीड़ा परिसरों तक सहायक आयुक्त के जो पद खाली है उन्हें जल्द भरा जाएगा।

एक दिन मिले या दो दिन, जो लक्ष्य है, उसे पूरा करेंगे

मंत्री मरकाम ने कहा कि, जो भी समय मिले एक दिन, दो या फिर तीन दिन। आप सबको पता है ना कि 20-20 मैच 20 ओवर का होता है और उसमें जो भी लक्ष्य रहता है उसे पूरा किया जाता है। हमारी सरकार का जो कार्यक्रम है। उसे आगे बढ़ाने की वह जिम्मेदारी मुझे मिली है। उसे हम पूरा करेंगे। मिशन 2023 जो भी सपने और लक्ष्य रखा है कांग्रेस सरकार की उपलब्धि नीतियों योजनाओं के दम पर हम फिर से सरकार बनाएंगे। हमारे जांबाज छत्तीसगढ़ में 19 लाख जो मेंबरशिप है, हमारे कार्यकर्ता हैं, हमारी सरकार की उपलब्धियों को लेकर जाएंगे। हमें उम्मीद है जिस तरीके से 2018 में 68 सीटों से सरकार बनाई थी फिर से 75 प्लस का जो टारगेट है वह पूरा किया जाएगा।

पीसीसी चीफ का पदभार संभालते ही बैज का बड़ा ऐलान, कहा-

हमारे पास है सीएम चेहरा भाजपा के पास तो वो भी नहीं

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने आज पदभार संभाल लिया है। वो दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ जगह-जगह, चौक-चौराहों पर गर्मजोशी से साथ स्वागत किया। इसके बाद वो शाम साढ़े 5 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचे, जहां कांग्रेस नेत्रियों ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद बंद कमरें में पीसीसी चीफने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान बंद कमरे में सीएम भूपेश बघेल, पूर्व पीसीसी चीफ मोहन मरकाम, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री कवासी लखमा आदि मौजूद रहे। इसके बाद कांग्रेस मंत्री मरकाम, सीएम भूपेश ने एक औपचारिक बैठक लेकर कांग्रेसियों को संबोधित किया।

इसके बाद नए नवेले पीसीसी चीफ दीपक बैज ने मंच से बड़ा ऐलान करते हुए दावा किया कि हम नवंबर 2023 में भी कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। पदभार संभालते ही बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। कहा कि बीजेपी के पास सीएम का कोई चेहरा नहीं है। हम सीएम भूपेश के

चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी में हिम्मत है तो पीएम मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ के देख लें। जो काम पिछले 15 साल में नहीं हुआ, वो काम 5 साल में हो गया। सीनियर नेताओं के मार्गदर्शन और सुझाव में काम किया जाएगा।

जब भी फेरबदल होता है, अच्छे के लिए होता है

कांग्रेस में बदलाव पर कहा कि जब भी फेरबदल होता है अच्छे के लिए होता है। उन्होंने कहा कि सरकार बनाना पहला टास्क है। दूसरा टास्क सभी कार्यकर्ताओं को 18 घंटे काम करना होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, मंत्री मोहन मरकाम, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव और सह-प्रभारी विजय जांगिड़ समेत मंत्रिमंडल के सदस्य और पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी से मुलाकात की

दूसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने से पहले दीपक बैज ने दिल्ली में सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव केसी वेणुगोपाल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा से मिलकर आभार जताया।

दीपक बैज इसलिए बने कांग्रेस अध्यक्ष

बस्तर जिले के चित्रकोट से दो बार के विधायक रह चुके और वर्तमान बस्तर सांसद दीपक बैज छत्तीसगढ़ के आदिवासी चेहरा हैं। वो राहुल गांधी के पसंदीदा नेताओं में से एक जाने जाते हैं। उन्हें सीएम भूपेश बघेल का करीबी भी माना जाता है। भूपेश बघेल ने ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के लिए उनका नाम संगठन को भेजा। मरकाम पहले से ही बस्तर कोंडागांव जिले से थे। इसलिए उन्हें हटाकर बस्तर से ही आदिवासी नेता को अध्यक्ष बनाया गया ताकि बस्तर संभाग की सभी 12 सीटों पर कांग्रेस की पकड़ बनी रहे।

बैज का सियासी सफर

- दीपक बैज बस्तर के आदिवासी युवा नेता हैं
- 14 जुलाई 1981 को बस्तर के गढिया में जन्मे दीपक बैज ने राजनीति करियर की शुरुआत छात्र जीवन से की
- साल 2008 में वो NSUI के जिलाध्यक्ष बने
- साल 2009 में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लोहांडीगुडा के कार्यकारी अध्यक्ष बने
- साल 2012 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बने।
- 2013 में पहली बार विधानसभा का टिकट मिला और जीत दर्ज की
- साल 2018 के चुनाव में दोबारा जीत दर्ज की
- साल 2019 बस्तर से सासंद बने

'कका मीट क्रिएटर्स': अपने छत्तीसगढ़िया कल्चर को बढ़ावा दें क्रिएटर्स- भूपेश बघेल

- मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया क्रिएटर्स से की भेंट-मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार शाम सोशल मीडिया क्रिएटर्स से भेंट-मुलाकात की। राजधानी रायपुर के एक हॉटल में 'कका मीट क्रिएटर्स' नाम से आयोजित कार्यक्रम में वे प्रदेशभर से आए सोशल मीडिया क्रिएटर्स से रूबरू हुए। इस दौरान सोशल मीडिया क्रिएटर्स ने मुख्यमंत्री से कई रोचक सवाल भी पूछे और मुख्यमंत्री ने अपने अंदाज़ में उनके जवाब भी दिए।

'कका मीट क्रिएटर्स' में कला-संस्कृति, मनोरंजन, खानपान, पर्यटन, बोली-भाखा, रेडियो, वाइल्ड लाइफ एडवेंचर, सूचना, फेटो-वीडियोग्राफी सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े तथा अपनी क्रिएटिविटी से खास पहचान बना चुके सोशल मीडिया क्रिएटर्स, इंफ्लुएंसर और यू-टयूबर्स बड़ी संख्या में मौजूद थे तथा उनमें गजब का उत्साह था। मुख्यमंत्री बघेल ने टेबल-दर-टेबल क्रिएटर्स तक पहुंचकर उनसे बातचीत की। उनके सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अब सबके हाथ में मोबाइल आ गया। सोशल मीडिया बहुत बड़ा मंच है, इसकी भूमिका रचनात्मक हो।

हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में दिवंगत छत्तीसगढ़ के फेमस यू-ट्यूबर देवराज पटेल को याद करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हमारे प्रदेश के सोशल मीडिया क्रिएटर्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। एक महिला क्रिएटर के

सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी काकी के साथ बहुत सी फिल्में देखी हैं। पाटन क्षेत्र के एक क्रिएटर ने अपना और अपने गांव का नाम बताया तो मुख्यमंत्री ने उनके पिता का नाम लेते हुए पूछा कि आप उनके लड़के हैं क्या। महिला सुरक्षा को लेकर वाहनों में पेनिक बटन जैसी व्यवस्था करने के लिए महिला क्रिएटर ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। घूमने के लिए छत्तीसगढ़ में पसंदीदा पर्यटन स्थल के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन के लिए एक से बढ़कर एक स्थान हैं, घूमने-फिरने के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पढ़ाई में एवरेज थे। मस्ती भी बहुत करते थे। बारिश के दिनों में नाला में बाढ़ आ जाती थी, तो स्कूल नहीं जा पाते थे। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर मैं सोशल मीडिया क्रिएटर होता तो खेती-किसानी पर क्रिएटिव बनाता। उन्होंने क्रिएटर्स से कहा कि वे अपने छत्तीसगढ़िया कल्चर को बढ़ावा दें। कलेवा को दिखाते हैं तो मुंह में पानी आ जाता है। एक बाल क्रिएटर ने मुख्यमंत्री से कहा कि गरीब बच्चे पहले पढ़ नहीं पाते थे, आपने ऐसा स्कूल बनवाया है जहां फ्री में एजुकेशन मिलता है। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

देवपहरी वॉटरफॉल में अचानक जलस्तर बढ़ने से फंसे चार पर्यटक, एसडीआरएफ की टीम ने किया रेस्क्यू

कोरबा। कोरबा जिले के देव्पहरी पिकनिक स्पॉट में जांजगीर-चांपा जिले के चार पर्यटक अचानक जल स्तर के बढ़ जाने के कारण बाढ़ में फंस गए। जिन्हें कोरबा प्रशासन के द्वारा भेजी गई रेस्क्यू टीम ने ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला।

जानकारी के मुताबिक, जांजगीर चांपा जिले से दो युवक और दो युवतियां देवपहरी वाटर फॉल आए थे। वे सभी वाटरफॉल में पानी होने के बावजूद बीच में चले गए। इसी बीच बारिश होने से देवपहारी वाटरफॉल का जल स्तर बढ़ गया। जिससे सभी वहां फंस गए। जैसे ही उक्त घटना की जानकारी थाना प्रभारी लेमरू कृष्णा साहू को हुई तो उन्होंने इसकी जानकारी प्रशासन को दी। जिस पर तुरंत उस स्थान पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है। बताया जा रहा है कि पानी का बहाव तेज था। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद चारों पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

चन्द्रयान-3 मिशन का हिस्सा बने बालोद के मिथलेश साहू, निभा रहें है अहम जिम्मेदारी, पीएम मोदी ने किया था उत्साहवर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। पूरा देश चंद्रमा के रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए चंद्रयान- 3 के लॉन्च के साथ ही जश्न मना रहा है। यह हर भारतीय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इस अवसर पर हमें उन हीरोज को जानना जरूरी है जो परदे के पीछे दिन-रात मेहनत करते हैं, तब जाकर हम ऐसे मिशनों को सफल होते देखते हैं। हम बात कर रहे हैं बालोद जिले के गुरुर ब्लॉक के ग्राम भानपुरी निवासी मिथलेश साहू की जोकि इसरो में आईटी सेक्टर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए चंद्रयान-3 का मिशन का हिस्सा बने। पिछली बार चंद्रयान-2 मिशन में भी इनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रही और देश के प्रधानमंत्री ने भी इनसे मिलकर इनका उत्साहवर्धन किया था।

इसरो के आईटी सेक्टर में काम करने वाले मिथलेश साहू के भाई लीलाधर साहू से जब उनके भाई से बात की गई तो उन्होंने बताया कि

भाई अभी बेहद व्यस्त हूं कुछ दिनों से उनसे बात नहीं हो पाई है। अब चूंकि चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च हो गया है तो हो सकता है, उनसे बात हो पाए। जब अंतिम बार उनसे बात हुई थी तो मिथलेश ने बताया था कि हमारा पूरा फोकस चंद्रयान-3 मिशन में है। हम सब पूरी टीम दिन रात जाग कर मेहनत कर रही है, इसके बाद मैं शायद परिवार को समय दे पाऊं।

त्योहार में भी घर नहीं आ पाते, देश के लिए समर्पित

करहीभदर में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र चलाने वाले मिथलेश के बड़े भाई लीलाधर ने बताया कि शुरू से छोटे भाई में आगे बढ़ने की ललक थी। पहली से 12वीं तक उसने रमतरा, भानपुरी और कन्नेवाड़ा के सरकारी स्कूल में ही पढ़ाई की। वो त्योहारों पर भी घर नहीं आ पाते हैं। देश के लिए समर्पित हैं और इसरो ऐसी जगह है, जहां नित नए-नए प्रोजेक्ट बनते हैं और उसे गति दी जाती है।

पिता हैं प्रेरणा श्रोत

मिथलेश 2017 से इसरो में काम कर रहे हैं। वह अपने पिता शिक्षक ललित कुमार साहू को प्रेरणास्रोत मानते हैं। जो गांव भानपुरी के ही प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक थे। कंप्यूटर साइंस में इंजीनियर होने के कारण इसरो ने उन्हें आईटी डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी दी है। इस मिशन में भी वे कंप्यूटर वर्क के जरिए चंद्रयान-3 पर काम कर रहे हैं। 2016 नवंबर में शादी हुई, इसके बाद ही इसरो में इंटरव्यू के लिए कॉल आया। इसके बाद 2017 में इसरो ज्वाइन कर लिया।

'ट्रैफिक सेफ्टी' की किसी को नहीं पड़ी

श्रीकंचनपथ

शासन ने एक बार फिर यातायात सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है. सभी जिलाधीशों और जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे शैक्षणिक संस्थानों में जाकर यातायात सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन करवाएं. अगर पुलिस प्रशासन ने इस निर्देश को सीरियसली ले लिया तो 90 प्रतिशत से ज्यादा वाहन थाने में खड़े मिलेंगे। अधिकांश लोगों के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है। वैसे, जिनके पास लाइसेंस है भी, उन्हें भी गाड़ी चलाने की तमीज नहीं है। इनमें कम उम्र के किशोरों से लेकर खूब पढ़े-लिखे नौकरीपेशा लोग तक शामिल हैं। मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार 16 साल से ऊपर के किशोरों को टेम्परारी या लर्नर लाइसेंस दिया जा सकता है। इससे ये गाड़ी चलाना सीख सकते हैं। पर ऐसी गाड़ियों के आगे पीछे लाल रंग में अंग्रेजी का 'L' अक्षर लिखवाना होता है। भारतीय सड़कों पर ऐसे चिन्ह केवल कारों में ही दिखाई देते हैं। 18 साल से कम उम्र के किशोर गियर वाली कोई भी गाड़ी नहीं चला सकते। उन्हें बिना गियर की 50 सीसी क्षमता वाली गाड़ियां ही चलाने की इजाजत होती है। बैटरी चलित स्कूटरों को बिना लाइसेंस के भी चलाया जा सकता है, बशर्ते कि उनकी रफ्तार अधिकतम 25 किलोमीटर प्रति घंटा हो। दुपहिया चलाते समय हेलमेट लगाना अनिवार्य है। वाहन में इंडीकेटर और रियर-व्यू मिरर का सही हालत में होना भी जरूरी है। पर ये नियम केवल किताबों में ही हैं। हकीकत में मिडिल क्लास परिवारों के बच्चे 110 सीसी की स्कूटी से स्कूल-कालेज जाते हैं। कुछ बच्चे 4-5 गियर की बाइक भी चलाते हैं। अधिकांश गाड़ियों में रियर व्यू मिरर नहीं होते। लोग सिर-मुंह लपेटकर दुपहिया चलाते हैं पर हेलमेट नहीं पहनते। लोग देर से निकलते हैं और जल्दी पहुंचना चाहते हैं, लिहाजा स्पीड लिमिट का कोई मतलब नहीं। लाल बत्ती पर सरकते-सरकते लोग बीच सड़क तक पहुंच जाते हैं। सयाने ड्राइवर मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी रेंगाते हैं। जैसे ही कोई ओवरटेक करने की कोशिश करता है, अपनी रफ्तार बढ़ा लेते हैं। अधिकांश लोग ओवरटेक करने के बाद अगली गाड़ी के सामने आ जाते हैं। लेफ्ट टर्न के लिए भी ओवरटेक करके गाड़ी मोड़ देते हैं। सड़क किनारे खड़ी गाड़ियां बिना रियर व्यू मिरर देखे सड़क पर चढ़ आती हैं। दरअसल, अंग्रेजों के जाने के बाद एक दो पीढ़ी तक तो अनुशासन का असर बना रहा पर तीसरी पीढ़ी तक आते-आते इसकी पकड़ ढीली पड़ गई। गाड़ी अब जरूरत कम और स्टेटस सिम्बल ज्यादा है। पड़ोसी का बच्चा अगर स्कूटी लेकर जाता है तो अपना बच्चा बाइक लेकर जाना चाहिए। स्कूल वाले सख्ती करें तो पेरेन्ट्स नाराज, पेरेन्ट्स सख्ती करें तो बच्चे नाराज। कोई किसी की सुनकर राजी नहीं। पेरेन्टिंग का प्रवचन सुनने-सुनाने वाले 'प्रो-औलाद पेरेन्ट्स' की स्थिति अब बेचारों वाली हो गयी है। जिले के पूर्व एसपी ने ट्रैफिक को लेकर खूब मशक्कत की पर किसी की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

संपादकीय

ऊंची उड़ान

इसरो ने शुक्रवार को श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से अपने चंद्रयान-3 को चांद के लिए रवाना कर दिया और इसके साथ ही आम भारतीयों ने 23-24 अगस्त का इंतजार शुरू कर दिया है, जब इसे चांद की सतह पर उतरना है। पिछला मिशन यानी चंद्रयान-2 हर चरण को सफलतापूर्वक पार करने के बाद इसी में नाकाम हो गया था। सॉफ्ट लैंडिंग करने के बजाय वह तेजी से चांद की सतह से जा टकराया और क्षतिग्रस्त हो गया। बड़ी बात यह कहिए कि न तो वह नाकामी हमारे मनोबल को कमजोर कर सकी और न ही उसने हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम की संभावनाओं को प्रभावित किया। यह सही है कि चंद्रयान-2 के बाद चंद्रयान-3 को रवाना करने में चार साल लगे, जिसे बहुत कम नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस बीच कोरोना महामारी से उपजी चुनौतियां भी हमारे रास्ते में आईं थीं। बहरहाल, हमारे संकल्प के सबूत के तौर पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष में जा चुका है। निश्चित रूप से इस मिशन की कामयाबी काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह एक लंबे सिलसिले की बस शुरुआत है।

> सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल इसी साल लॉन्च किया जाना है। पृथ्वी के वातावरण और उसकी सतह के अध्ययन के लिए अमेरिका के साथ एक जॉइंट मिशन 2024 में तय है और अंतरिक्ष में भारत का पहला मानव मिशन गगनयान 2025 में छोड़ा जाना है। ध्यान रहे, इसी साल 21 जून को भारत ने अमेरिका की अगुआई वाले संयुक्त चंद्र अभियानों से जुड़े आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर किया।

चांद पर इसकी सफल सॉफ्ट लैंडिंग भारत को उन देशों के क्लब में सम्मानपूर्ण प्रवेश देगी जिसके अभी सिर्फ तीन सदस्य हैं- अमेरिका, रूस और चीन। भारत ऐसा करने वाला चौथा देश होगा। लेकिन इससे बड़ी बात यह है कि यह मिशन इसरो के आगामी अंतरिक्ष अभियानों का रास्ता साफ करेगा।

सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल इसी साल लॉन्च किया जाना है। पृथ्वी के वातावरण और उसकी सतह के अध्ययन के लिए अमेरिका के साथ एक जॉइंट मिशन 2024 में तय है और अंतरिक्ष में भारत का पहला मानव मिशन गगनयान 2025 में छोड़ा जाना है। ध्यान रहे, इसी साल 21 जून को भारत ने अमेरिका की अगुआई वाले संयुक्त चंद्र अभियानों से जुड़े आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे जहां भारत को स्पेस टेक्नॉलजी में अमेरिकी महारत का फायदा मिलेगा, वहीं इसरो के कॉस्ट इफेक्टिव लॉन्च फैसिलिटी का भी बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सकेगा। यही नहीं, समझौते में शामिल अन्य देशों - फ्रांस, जापान और ऑस्ट्रेलिया- के साथ भी करीबी सहयोग का मौका मिलेगा। इस बीच देश में स्पेस एक्सप्लोरेशन का जो इकोसिस्टम विकसित हुआ है, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गौर करने की बात है कि चार साल पहले यानी चंद्रयान-2 लॉन्च किए जाते समय देश में स्पेस सेक्टर की मात्र 10 स्टार्टअप कंपनियां थीं। अब इनकी संख्या बढ़कर 140 हो गई है। इसरो ने सुविचारित ढंग से स्पेस सेक्टर में प्राइवेट कंपनियों के लिए गुंजाइश बनाई है जिसका एक फायदा यह भी है कि वह अब अपनी ऊर्जा स्पेस साइंस से जुड़े कोर एरिया में केंद्रित कर सकेगा। जाहिर है यह नया क्षेत्र भारत के सामने खुल रहा है और उसे इसमें बहुत आगे जाना है।

> अब निर्वाचन सिर्फ मूंछ का मुद्दा नहीं रह गए हैं, इनके साथ पैसे की लिप्सा भी जुड़ गई है। भरोसा न हो, तो अपने विधान मंडलों में करोड़पतियों की तादाद गिन देखिए। आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। चुनाव-दर-चुनाव यहां करोड़पतियों की तादाद बढ़ती जा रही है। खानदानी मुफलिसी धोने का इससे बेहतर तरीका और कोई नहीं हो सकता।

बंगाल के बेसहारों से पूछिए

शशि शेखर

बात 1970 के दशक की है। उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुख पद हेतु चुनाव हुए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक गांव के दो परिवार आमने-सामने थे। जो सज्जन हारे, वह अन्याय की गुहार लगाते हुए आज के प्रयागराज और तब के इलाहाबाद आ धमके। उन्हें हाईकोर्ट से अपने प्रतिद्वंद्वी के चुनाव को रद्द कराने की धुन सवार थी। इसके लिए वह बड़ी से बड़ी रकम खर्च करने को तैयार थे।

वकील साहिबान गंभीर मुद्रा में उनकी फाइल देखते और कहते कि चौधरी साहब, मुकदमा कमजोर है, पर दो 'प्वॉइंट' ऐसे हैं, जिनसे फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। वे जो फीस बताते, वह मेरे जैसे किशोर के लिए कल्पनातीत होती। कई नामी-गिरामी वकीलों का चक्कर लगाने के बाद उन्होंने एक नहीं, दो बड़े वकील चुने। सवाल मूंछ का था।

उनका मुकदमा चलता रहा और इस बीच दोनों पक्षों के नातेदारों में कई हिंसक झड़पें हुईं। हर बार एक नया मुकदमा दर्ज हो जाता और हर बार वह जिला मुख्यालय या इलाहाबाद की ओर रुख कर लेते। उनकी बातें सुनते हुए मुझे एक बात समझ में आ गई थी कि दोनों प्रतिद्वंद्वी परिवारों ने सीधे तौर पर कभी एक-दूसरे के ऊपर हमला नहीं किया। हमेशा उनके दूर के नातेदार या समर्थक भिड़ते थे। लगभग चार बरस बीतने के बाद फैसला आया और वह मुकदमा हार गए। तब से आज तक इस सवाल से जूझ रहा हूं कि ब्लॉक प्रमुख जैसे अदने चुनाव के लिए इतना धन और खून बहाने की क्या जरूरत थी?

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसा ने इस पुराने प्रश्न को फिर से जिंदा कर दिया है। गुजरे चार दशकों के दौरान हमारी चुनाव व्यवस्था में एक नया कारक जुड़ गया है। अब निर्वाचन सिर्फ मूंछ का मुद्दा नहीं रह गए हैं, इनके साथ पैसे की लिप्सा भी जुड़ गई है। भरोसा न हो, तो अपने विधान मंडलों में करोड़पतियों की तादाद गिन देखिए। आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। चुनाव-दर-चुनाव यहां करोड़पतियों की तादाद बढ़ती जा रही है। खानदानी मुफलिसी धोने का इससे बेहतर तरीका और कोई नहीं हो सकता। राजीव गांधी ने जब पंचायत राज लागू किया था, तब किसी ने सोचा न था कि ये पंचायतें निजी विकास का जरिया बन जाएंगी। बंगाल के रक्तपात के लिए राजनीति के साथ अर्थनीति भी जिम्मेदार है।

हमारा लोकतंत्र अमृतकाल से गुजर रहा है, लेकिन हम इसके अमृत-तत्वों को कब अपना पाएंगे?

बंगाल में हिंसा नई नहीं है। वहां हर चुनाव रक्तरंजित होता है। हर बार आरोप लगता है कि यह राज्य पोषित हिंसा है। निर्वाचन आयोग ने गुजरे चार दशकों में चुनाव-दर-चुनाव अपनी व्यवस्था सुधारी है। इस बार भी पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में केंद्रीय बल तैनात किए गए थे। इसके बावजूद 40 से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी। 2019 के आम चुनाव वाले वर्ष में समूचे देश में 72 लोग मारे गए थे। अकेले बंगाल में इतनी अधिक मौतें डराती हैं। पड़ोस के उत्तर-पूर्वी प्रदेश और झारखंड

भी इस मामले में कम कुख्यात नहीं हैं। जान गंवाने वाले सारे पुरुष थे और इस नाते अपने परिवारों के पोषण की जिम्मेदारी उन पर थी। मौत खुद उन तक चलकर नहीं आई थी, बल्कि वे स्वयं उस तक पहुंचे थे।

सवाल उठता है, इस खूरेंजी के लिए कौन जिम्मेदार है?

जवाब के लिए आपको उत्तर प्रदेश में सन 1974 में हुए विधानसभा चुनाव की आंखों देखी बताता हूं। एक महिला उम्मीदवार कांग्रेस की ओर से दावेदार थी। जिस सीट से वह लड़ रही थी, वहां का दस्तूर था कि विपक्षी दल से जुड़ी जातियों के लोगों के वोट 'रोके' बिना कोई जीत नहीं सकता था। चुनाव से चार दिन पहले प्रत्याशी की पैतृक हवेली में उसकी जाति से जुड़े बाहुबलियों की बैठक हुई। महिला के देवर ने उनके समक्ष त्रिस्तरीय एक रणनीति प्रस्तुत की। पहली, जहां-जहां हमारी जाति का बाहुल्य है, वहां हम कैसे विपक्षियों के समर्थकों को वोट डालने से रोकेंगे? दूसरी, जिन गांवों में दूसरे दल वालों की अधिक आबादी है, वहां हम अपने पक्ष के लोगों को वोट डलवाने के लिए क्या करेंगे? तीसरी, अपरिहार्य हिंसा की स्थिति में किस तरह आस-पास बाहुबली मदद के लिए पहुंचेंगे? गरमागरम बहस जारी थी कि अचानक महिला प्रत्याशी ने मासूम-सा सवाल पूछा कि आप लोग गोली चलने की बात कर रहे हैं। इससे क्या कोई मर सकता है? एक उत्साही नौजवान का जोश भरा जवाब था कि बंदूकें आग उगलती हैं, दूध नहीं। जो सामने पड़ेगा, वह मरेगा!

इस उत्तर को सुनकर वह महिला तमतमाती हुई खड़ी हो गई। उसने जो कहा, उसे इतिहास भले ही दर्ज न करे, पर वहां बैठे लोगों के सिर जरूर झुक गए थे। महिला प्रत्याशी का कहना था कि आप लोग जिस हिंसा की बात कर रहे हैं, इसमें सिर्फ पुरुष मरेंगे। मरकर वे स्वर्ग जाएंगे या नरक मुझे मालूम नहीं, पर एक स्त्री होने के नाते मैं अवश्य जानती हूं कि उनकी पत्नियां हर रोज नरक भोगेंगी। मैं आपको इसकी इजाजत नहीं दूंगी। इसके बावजूद यदि किसी ने हिमाकत की, तो मैं खुद पुलिस कप्तान के पास उसकी शिकायत लेकर जाऊंगी।

बताने की जरूरत नहीं कि वह चुनाव हार गई और साथ ही उसकी राजनीति भी खत्म हो गई। बिहार और उत्तर प्रदेश कभी ऐसे जानलेवा संघर्षों के लिए अभिशप्त होते थे। वहां काफी सुधार हुआ है। चुनाव आयोग के इंतजामात अगर यहां कारगर साबित हुए हैं, तो वे बंगाल में हर बार असफल क्यों रहते हैं?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी महिला हैं। वह 12 बरसों से मुख्यमंत्री हैं। यह ठीक है कि चुनावी हिंसा को रोकने का काम चुनाव आयोग का है, पर चुनाव से पहले और बाद में हो रही खूरेंजी पर नियंत्रण की जिम्मेदारी सूबाई हुकूमत की है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बाद से सियासी रंजिश का खुला प्रदर्शन हो रहा है। पंचायत के चुनाव उसकी अगली कड़ी भर हैं। कुछ जानकार इसे लोकसभा चुनावों की प्रस्तावना मानते हैं। साहित्य और संस्कृति के मामले में हमेशा अगुवाई करने वाला यह जागृत प्रदेश हिंसा-प्रतिहिंसा के सिलसिले का शिकार बन गया है। ममता बनर्जी संवेदनशील राजनेता हैं। उनकी हुकूमत में भी संवेदना और सहिष्णुता के दर्शन होने चाहिए।

ऐसा नहीं है कि सवालों के घेरे में वह अकेली हैं। समूची सियासी बिरादरी जब तक खुद रचे गए इस कुचक्र को नहीं तोड़ेगी, तब तक चुनाव अपने मतदाताओं के रक्त से स्नान को अभिशप्त रहेंगे।

खुद का साथी बनें, दुनिया झक मारकर साथ आएगी

ऐश्वर्या राजेश

हम अक्सर 'शोबिज' के सफल लोगों की चकाचौंध भरी जिंदगी देखकर उनसे रश्क करते हैं, मगर पीछे वे कितना कुछ भोग आए, इसे शायद ही जान पाते हैं। वैसे भी, रुपहली दुनिया में परदेदारी बहुत है, मगर ऐश्वर्या राजेश ने अपना कुछ भी नहीं छिपाया, इसलिए उनकी कामयाबी एक मिसाल है, खासकर उन लोगों के लिए, जो जिंदगी जीना चाहते हैं, सिर्फ गुजारना नहीं!

चेन्नई की एक स्लम बस्ती में 1990 में ऐश्वर्या पैदा हुईं। उनका निम्न मध्यवर्गीय परिवार तीन बेटों के बाद बेटी पाकर बहुत खुश हुआ था। छह सदस्यों के परिवार के लिए पिता की कमाई का कम पड़ जाना स्वाभाविक था, मगर मां बच्चों की शिक्षा के प्रति बहुत सजग थीं, क्योंकि उन्होंने खुद स्कूल का मुंह नहीं देखा था और वह जान चुकी थीं कि शिक्षा ही उनके बच्चों को इस बस्ती से मुक्ति दिला सकती है। मगर अचानक पति की मौत से परिवार के आगे पेट भरने का ही संकट खड़ा हो गया। बच्चे छोटे थे, ऐश्वर्या तब सिर्फ आठ साल की थीं, लिहाजा मां के कंधे पर उनके भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी आ गिरी। मुसीबत यह थी कि वह बिल्कुल पढ़ी-लिखी नहीं थीं और न ही उन्हें हिंदी, अंग्रेजी या तेलुगु भाषा आती थी।

मगर कोई मां कहां हार मानती है? ऐश्वर्या की मां ने भी साड़ी बेचने का काम शुरू किया। वह बस से अकेली मुंबई जातीं और वहां से किफायती दर पर साड़ियां लाकर चेन्नई में घर-घर बेचा करतीं। लोगों से संपर्क बढ़ा, तो उन्होंने जीवन बीमा एजेंट का काम भी शुरू कर दिया। जिंदगी आसान न थी, मगर उसे पटरी पर लाने का उनका अनथक उद्यम जारी रहा। वह बच्चों को बेहतर तालीम दिलाने की हर मुमकिन कोशिश में जुटी थीं। उन्होंने शहर के होली एंजल्स एंग्लो इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल उन्हें पढ़ने भेजा। मगर काल ने एक बार फिर उन्हें धोखा दिया। पति को गए पांच साल गुजरे होंगे कि बड़े बेटे ने भी अलविदा कह दिया।

ऐश्वर्या के सबसे बड़े भाई राघवेंद्र की मृत्यु आज भी पहेली है। उनका परिवार आज तक ठीक-ठीक नहीं जान सका कि वह प्रेम में नाकाम युवक की खुदकुशी थी या उनका कत्ल हुआ था? जवान बेटे की अर्थी देखने से बड़ा दुख किसी मां-बाप के लिए और क्या होगा, मगर सारा दर्द सीने में जज्ब कर ऐश्वर्या की मां अपनी दूसरी संतानों की परवरिश में जुट गईं। कुछ ही वर्षों में दूसरे बेटे ने चेन्नई के ही एसआरएम कॉलेज से होटल मैनेजमेंट की अपनी पढ़ाई मुकम्मल कर ली। डिग्री के साथ-साथ उसे बेहतर तनख्वाह वाली नौकरी भी मिल गई थी। पूरा परिवार खुश था कि मां को अब थोड़ा आराम मिल सकेगा, क्योंकि घर में

आमदनी का स्रोत बढ़ गया था। मगर नियति ने फिर एक क्रूर खेल खेला। सड़क दुर्घटना में ऐश्वर्या के दूसरे भाई की भी मौत हो गई। यह वज्रपात से कम न था! ऐसी स्थिति में कोई कितना खुद को संभाले? तीन-तीन अस्वाभाविक मौतें, और दो तो जिगर के टुकड़ों की! ऐश्वर्या की मां पूरी तरह टूट गईं।

ऐश्वर्या तब ग्यारहवीं में थीं। मां और भाई के हताश चेहरों ने उन्हें झकझोर दिया था। उन्होंने परिवार के लिए कुछ करने का फैसला किया। एक चॉकलेट सॉस के 'प्रोमोशनल गर्ल' के तौर पर उन्हें जीवन का पहला काम मिला। ऐश्वर्या बेसेंट नगर के एक सुपर मार्केट के आगे खड़ी होकर इस उत्पाद के बारे में लोगों को बताया करतीं। इसके बदले में उन्हें 225 रुपये मिलते थे। मगर यह स्थायी काम नहीं था। आहिस्ता-आहिस्ता उन्होंने जन्मदिन पार्टी जैसे छोटे-मोटे आयोजनों में 'होस्ट' का काम करना शुरू किया, मगर इनसे भी इतने पैसे नहीं हो पाते कि ठीक से परिवार चल पाए।

मगर इस छोटी सी उम्र में मिले तरह-तरह के अनुभवों ने ऐश्वर्या के आत्मविश्वास को एक चट्टानी मजबूती दे दी थी। किसी की सलाह पर वह टीवी धारावाहिकों में किस्मत आजमाने पहुंचीं, लेकिन वहां भी उन्हें बहुत मामूली सी रकम मिलती थी। यहां तक कि एक डांस रियल्टी शो की विजेता होने के बाद भी उनको उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता था। निराश ऐश्वर्या ने एक दिन मां से पूछा, लीड हीरोइन को 25 हजार रुपये प्रति एपिसोड कैसे मिल जाता है? मां ने कहा, अगर फिल्मों में आपने काम किया होता और उससे आपकी थोड़ी भी पहचान बनी होती, तो टीवी वाले अच्छी रकम देते।

डांस रियल्टी शो के प्रमाणपत्र के साथ ऐश्वर्या फिल्मों में काम तलाशने लगीं। कुछ प्रयास के बाद ही उन्हें काम मिल गया। साल 2011 में उनकी पहली फिल्म आई आवरगलम इवरगलम, पर यह नहीं चली। मगर ऐश्वर्या ने हार नहीं मानी। उन्होंने कोशिश जारी रखी। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें रंग, पहनावे, यहां तक कि चलने-बोलने के तरीके को लेकर काफी आलोचना, फब्तियां सहनी पड़ीं। मगर प्रताड़ित करने वाले नहीं जानते थे कि वह क्या कुछ सहकर आई हैं। कुछ निर्देशकों ने तो उनके मुंह पर ही कह डाला, अपना वक्त क्यों बर्बाद कर रही हो? हीरोइन बनने लायक ही नहीं हो, ज्यादा से ज्यादा सहायक भूमिकाएं मिल सकेंगी।

अगले करीब दो साल तक ऐश्वर्या को कोई रोल नहीं मिला, जबकि 2012 में आई अट्टाकटी में उनकी छोटी-सी भूमिका को भरपूर सराहना मिल चुकी थी। बहरहाल, 2014 से उन्हें फिल्में मिलनी शुरू हो गईं और 2015 में काका मुत्तई ने तो ऐश्वर्या को स्थापित ही कर दिया। उन्हें इस भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला। इसके बावजूद उन्हें बड़े स्टार के साथ 'कास्ट' नहीं किया गया। मगर कब तक? तमिल-तेलुगु-हिंदी में ऐश्वर्या कई दर्जन फिल्में कर चुकी हैं, जिनमें से आधा दर्जन से अधिक अभिनेत्री प्रधान फिल्में हैं। आज वह दक्षिण की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शुमार हैं। बकौल ऐश्वर्या, खुद का साथी बनिए, दुनिया झक मारकर साथ आ जाएगी।

प्रस्तुति चंद्रकांत सिंह

नाम के लिए भी नामा चाहिए

हमारे एक साहित्यिक मित्र ने बरसों पहले यह बात समझाई थी कि हे मित्र! अगर तुम्हारे पास पैसे हैं, तभी तुम साहित्यकार हो; नहीं हैं, तो रगड़ते रहो कलम, कोई साहित्यकार मान ले, तो बताना! मैंने कहा अपवाद भी तो हो सकते हैं। वह बोले, होते होंगे, अब तो अधिकांश इसी तरह आबाद हैं। ऐसे ही एक अन्य मित्र ने बताया कि अगर उनके पास तीन लाख रुपये होते, तो उनको 'वह वाला' सम्मान मिल गया होता। जिनके पास थे, उनको मिला, नाम के लिए भी नामा चाहिए!

इसी तरह, एक मित्र ने उस दिन यह कहकर चौंकाया कि वह 'डी लिट्' हो गए हैं। हमने मुबारकबाद दी, तो हुलसकर बोले मैंने भी ठान लिया था कि एक न एक दिन डी लिट् लेकर ही रहूंगा। अब अपना नाम उन चंद विद्वानों की लिस्ट में आ गया, जो डी लिट् हो चुके हैं।

मन चाहा कि टोककर कहूं कि डी लिट् होना, विद्वान होना नहीं है। डी लिट् होना एक बात है, विद्वान होना दूसरी बात, पर मेरा कायर मन डर गया। क्या पता, नाराज हो जाएं? कल किसी ऊंची जगह हों और मुझे टंगड़ी मार दें! मन ने समझाया कि समझदार बन और ध्यान रख कि अपने पुरखे यूं ही नहीं कह गए, सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमअप्रियम, यानी हे तात! सत्य बोलना, प्रिय बोलना, अप्रिय सत्य कदापि न बोलना, (नहीं तो...)

इस तात ने तुरंत उस तत्व को समझ लिया और मित्र को विद्वान मानने लगा। तब से अब तक न जाने कितनों ने यही समझाया है कि बेटा, तू लाख पेज काले कर ले, ऊंची से ऊंची हांक ले, गिनती में तो तभी आएगा, जब तू महाजनो येन गत स पंथा वाली लाइन में 'फॉल इन लाइन' हो जाएगा! तब से, यानी तीस बरस पहले से अब में फर्क आया है, तो इतना कि अब 'रेट' बढ़ गया है। अब तीन की जगह दस-पंद्रह-बीस लाख लगते हैं, पर जो मांगता है, उसे वह मिलता अवश्य है। इसलिए, अगर अब आपको कोई 'मुकुट' पहनना है, तो शहर में दो महीने पहले से डेरा डाल लेना है। कमेटी वालों को पांच सितारा मौज-मस्ती में रखना है, उसके बाद 'सम्मान' आपका और आपके बाप का!

सच! जो बात कुछ लोगों ने इतनी सरलता से समझा दी, वह हिंदी साहित्य की किसी किताब में नहीं मिलती। बस, दस-पंद्रह लाख का जुगाड़ और फिर अपने को सम्मानित होते देखना, फिर फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, वाट्सएप आदि पर साइबर स्पेस में अमर हो जाना।

साहित्य की साधना मतलब रस, छंद, अलंकार साधना, गद्य, पद्य, प्रबंध व मुक्तक काव्य साधना, महाकाव्य, खंडकाव्य साधना, लंबी कविता, छोटी कविता साधना और हिंदी साहित्य के लंबे इतिहास की साधना, हिंदी-उर्दू, देसी-विदेशी भाषाओं के साहित्य की साधना, साहित्य शास्त्र व आलोचना की साधना, जिस-तिस की चिरौरी साधना कि हे आचार्यश्री! अपनी लिस्ट में मेरा नाम भी लिख लीजो, यानी गधे को बाप बनाने की आराधना कि हे सर! बस कृपा करहु गुरुदेव की नाईं।

इसीलिए मैं कहता हूं कि साहित्य की साधना से कहीं बेहतर है साहित्य को साधना! साहित्य की साधना करें या न करें, यानी लिखें या न लिखें, लेकिन अगर आपने साहित्य को साधना सीख लिया, तो सब कुछ सीख ही नहीं लिया, सब कुछ पा भी लिया। साहित्य आपका और आपके बाप का!

दस-बीस लाख और दो महीने की भाग-दौड़ ही असली 'साहित्य-साधना' है। इसे साध लिया, तो अखिल हिंदी साहित्य साध लिया और अगर आपके पास 'करोड़ा' हुआ, तो समझो कि आगे-पीछे का सब इतिहास भी आपने साध लिया। हिंदी साहित्य की कुल कीमत एक-दो करोड़ रुपये से अधिक नहीं।

इसलिए रे मेरे मन, अपवाद के चक्कर में न रह। उसे साध, जिसे साधने से सब सधते हैं। तभी सफल होगी तेरी आराधना, काहे को रोए...!

टूटी हुई हॉकी स्टिक से शुरू हुआ खेल

धनराज पिल्लै

यह कहावत यहां-वहां अक्सर साकार दिखती है, न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी। बहुत लोग जिंदगी भर नौ मन तेल का इंतजार करते रह जाते हैं। विद्वान तो यही कहते हैं कि इंतजार किसलिए? जो भी पास है, उसी से शुरू कर दो। कोई हुनर पैदा कर लो, मुफलिसी पीछे छूट जाएगी। यह भी कहा जाता है कि सिर्फ हुनर से सब कुछ हासिल नहीं होता, कुछ संयोग भी होता है और सपना भी। वैसे, पुणे के पास स्थित खड़की में बसे उस तमिल परिवार का न कोई सपना था और न उसे संयोग की उम्मीद थी। दाल-रोटी, नौकरी-शादी जैसे आम लक्ष्य ही निशाने पर थे।

पिता वहां आयुध कारखाना क्षेत्र में काम करते थे। थोड़े से पैसे आते थे, किसी तरह परिवार चलता था। तब न मोबाइल था, न इंटरनेट, सारे लड़के दोपहर ढलते मैदान में उतर आते थे। वह लड़का भी अपने भाइयों के साथ निकल पड़ता था। हाथ में हॉकी स्टिक होती थी, जिसकी टूट-फूट को रस्सी से लपेटकर छिपाया जाता था। नई कोरी स्टिक महंगी आती थी। मां बेझिझक कहती थीं, स्टिक टूटी हुई है, तो क्या हुआ, अच्छे से बांधो और खेलो। जब खेलने लगोगे, तो उसकी टूट नहीं दिखेगी। सामने केवल गेंद दिखेगी। मगर उन दिनों तो गेंदों का भी बुरा हाल था। गरीबों की गरीब गेंद, सेकेंड हैंड या थर्ड हैंड। जोड़ी गई स्टीक और खटारा गेंद के बावजूद जब मैदान में दौड़ना शुरू होता था, तब सिर्फ खेल रह जाता था और उसकी मस्ती में लड़के शोर करते हुए, एक-दूसरे को छकाते दौड़ते रहते थे।

उस लड़के का मन पढ़ाई में नहीं लगता था, पर जब मैदान में उतरता था, तब रम जाता था। बहुत से परिवार ऐसे होते हैं, जो पढ़ाई पर भरोसा नहीं करते, उस लड़के का परिवार भी ऐसा ही था। सारी महत्वाकांक्षाएं अच्छी नौकरी और एक साधारण शादी के साथ खत्म हो जाती हैं। उस परिवार में भी न मां इससे आगे सोचती थीं और न पिता, पर जब किस्मत बदलनी होती है, तो सारी स्थितियां उसी के अनुरूप संवरने लगती हैं। ऐसा ही हुआ।

उन दिनों गणेशोत्सव की बहुत धूमधाम थी। संयोग ऐसा बना कि आयोजन के दौरान ही लड़कों के बीच मारपीट हो गई। मामला बढ़ गया। मराठी प्रांत में मौजूद उस तमिल लड़के के मन में यह डर घर कर गया कि मारपीट की वजह से शायद पुलिस उस तक पहुंचेगी। पूछताछ होगी और बखेड़ा हो जाएगा। बड़ी चिंता हुई, क्या किया जाए, कैसे बचा जाए? उन दिनों बड़े भाई मुंबई रहने लगे थे। बार-बार बुलाते थे, पर खड़की छोड़ने का मन नहीं करता था, पर अब हालात ऐसे बन गए कि भारी मन से मुंबई भाग जाने का बड़ा फैसला लेना पड़ा। खैर, मुंबई महानगर मानो बांहें फैलाए इंतजार कर रहा था। बड़े भाई एक क्लब के लिए हॉकी खेलते थे, छोटे भाई को भी खेल दिखाने के लिए साथ ले गए। यह भी चमत्कार हुआ कि उस दिन क्लब की टीम में एक खिलाड़ी कम पड़ गया, तो हॉकी देखने आए उस नए लड़के को मैदान में उतार दिया गया।

एक मुकम्मल हॉकी स्टिक हाथ में थमा दी गई और सामने थी नई नवेली गेंद। फिर क्या था, वह लड़का गेंद को पैरों के बाईं ओर रखकर दाईं ओर दौड़ते हुए हमला बोलता, तो कभी गेंद को पैरों के दाईं ओर रखते हुए गोलपोस्ट पर चढ़ बैठता। देखने वाले दंग रह गए कि ये सांवला छोकरा कौन है, कहां से आया है? संयोग ही था कि दिग्गज हॉकी खिलाड़ी व कोच जोआकिम कार्वाल्हो की नजर उस लड़के पर पड़ी, उन्होंने आगे बढ़कर नाम पूछा, लड़के ने हिचकते हुए नाम बताया, सर, धनराज पिल्लै। कार्वाल्हो ने तत्काल प्रस्ताव दिया कि महिंद्रा ऐंड महिंद्रा क्लब में शामिल हो जाओ। धनराज या उनके परिवार ने कभी सोचा नहीं था कि खेल से भी नौकरी मुमकिन है। धनराज को जल्दी ही एहसास हो गया कि खेल सिर्फ खेल नहीं, जिंदगी भी है। कार्वाल्हो की छत्रछाया में धनराज चमक उठे। क्लब में 17 की उम्र में गंभीरता से खेलना शुरू हुआ और उसके बाद पलटकर देखने की जरूरत नहीं पड़ी।

19 की उम्र में बड़ा ब्रेक 1987 में दिल्ली में संजय गांधी टूर्नामेंट में मिला। धनराज इतनी तेज भागते थे कि दिल्ली वालों ने नाम रख दिया, तूफान। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब मिला और एक लंबे अंतरराष्ट्रीय हॉकी करियर की शुरुआत हुई। वह अपने देश ही नहीं, दुनिया के बेमिसाल हॉकी खिलाड़ियों में गिने गए। 16 जुलाई, 1968 को जन्मे धनराज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। लगभग 339 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 170 गोल दागने वाले धनराज ने परिवार और मां के लिए अपने नाम के अर्थ को साकार कर दिया। वह मैदान में जब भी झंडे गाड़ते थे, सोया हुआ सा कस्बा खड़की जागकर दिवाली मनाता था। आज भी वह खड़की और भारत की पहचान हैं।

प्रस्तुति ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

रविवार, 16 जुलाई 2023

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्रमांक 4 अंतर्गत इंदिरा नगर मोहल्ले में हसदेव नदी के तट पर स्थित 45 वर्ष से भी पुराने जर्जर हो चुके मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया है। देवांगन पारा पुरानी बस्ती निवासी बलभद्र सिंह के पूर्वजों द्वारा निर्मित इस मंदिर का जीर्णोद्धार बलभद्र सिंह. श्रीमती गीता के द्वारा कराया जाकर विधि विधान के साथ यहां शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पहले गुरुवार को नवनिर्मित मंदिर स्थल से कलश यात्रा बैण्ड.बाजे के साथ निकाली गई जो पुरानी बस्ती का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इसके पश्चात शुक्रवार को यहां विधि-विधान के साथ शिवलिंग, नंदी सहित अन्य देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं को भोग प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा-अर्चना व प्रसाद ग्रहण करने श्रद्धालु उमड़े रहे। इसके पश्चात श्रीमती गीता देवी की अगुवाई में भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस पूरे आयोजन सहित मंदिर के जीर्णोद्धार से लेकर भोग प्रसाद निर्माण, वितरण सहित अन्य सभी कार्यों में मंदिर समिति से जुड़े इंदिरा नगर के युवाओं का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। महिलाओं और युवतियों ने भी पूरे आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड में आंगनबाड़ी भवन का भूमि पूजन हुआ

धमतरी। नगर पालिक निगम धमतरी के सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड बठेना स्कूल के पीछे आंगनबाड़ी भवन का भूमि पूजन कांग्रेस जिलाध्यक्ष शरद लोहाना,महापौर विजय देवांगन,निशक्त जन सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष मोहन लालवानी, लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष राजेश ठाकुर,वार्ड पार्षद लुकेश्वरी सुरेंद्र साहू,श्यामलाल नेताम,शहर कांग्रेस अध्यक्ष आकाश गोलछा वार्ड के वरिष्ठ बिसाहीन यादव,अगमा यादव,बेनीमाधव पांडे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष शरद लोहाना ने कहा कि स.व.भाई.पटेल वार्ड मे आंगनबाड़ी भवन का भूमि पूजन के दौरान वार्डवासियों में उत्साह भी देखने को मिला। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका सहित वार्ड वासियों को को बधाई देते हुए कहा कि आप अपना कार्य पूरी निष्ठा से करते हैं ,आप सब बच्चों में अच्छे गुणों की आधारशिला बनाते है तथा उन्हें कुपोषित होने से बचाते है इसलिए अपने कार्यों को और अच्छा से करें। महापौर विजय देवांगन ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य,पोषण और शिक्षा के लिए शासन लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है। आंगनबाड़ी भवन में छोटे-छोटे नन्हे बाल गोपाल अपने शैक्षणिक जीवन की शुरुआत कर पाएंगे व आंगनबाड़ी भवन का निश्चित ही ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को भी काफी लाभ मिलेगा।

राज्यपाल हरिचंदन की आत्मकथा का नई दिल्ली में विमोचन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन द्वारा लिखित आत्मकथा बैटल नॉट यटओवर का विमोचन आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय विधि आयोग के अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी और ओडिशा के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी गोपाल गौडे ने किया।

मूल रूप से उड़िया भाषा में लिखी गई इस आत्मकथा का अंग्रेजी में अनुवाद प्रसिद्ध लेखक और अकादमी पुरस्कार विजेता प्रोफेसर भगवान जय सिंह ने किया है।

केन्द्रीय साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव, प्रख्यात लेखक प्रो.डॉ. विजयानंद सिंह समेत कई गणमान्य हस्तियां, मीडियाकर्मी और दिल्ली के गणमान्य नागरिक मौजूद थे. इंडियन कॉन्फ्रेंस आफ इंटेलेक्चुअल द्वारा इस सेमिनार का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर हरिचंदन ने कहा कि इस आत्मकथा में उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों और उनसे मिली सीख को साझा किया है। उन्होंने कहा कि मेरे रिश्तेदारों और शुभचिंतकों की प्रेरणा से यह पुस्तक इस रूप में सामने आई है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता स्वर्गीय परशुराम हरिचंदन की देशभक्ति से प्रेरित थे ज उन्होंने अन्याय के खिलाफलड़ना सिखाया। राज्यपाल ने कहा कि वह जिस भी पद पर रहे, उन्होंने हमेशा न्याय के लिए काम किया और अन्याय के खिलाफ मुखर रहे। पुस्तक में उनके राजनीतिक संघर्षों, आपातकाल के दौरान संघर्ष, उस समय ओडिशा के राजनीतिक परिदृश्य, लोगों के कल्याण के लिए मंत्री के रूप में उनके द्वारा की गई पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इस सेमिनार को डॉ विजयानंद सिंह ने संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा राज्यपाल श्री हरिचंदन की पुस्तक के बारे में दिए गए संदेश को पढ़ा। सेमिनार को ओडिशा के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश गोपाल गावड़े, राष्ट्रीय कानून आयोग के अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी, ओडिशा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशश्री विश्वनाथ रथ, भगवान जय सिंह, और श्रीनिवास राव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री हरिचंदन का अभिनंदन भी किया गया।

रोजगार मेला सप्ताह 24 से शुरू

700 से अधिक रिक्तियों पर होगी भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन में स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोडऩे के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। युवाओं में कौशल विकास तथा रोजगार के मौके उपलब्ध कराने के दिशा में जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। ताकि प्लेसमेंट एवं रोजगार मेला के माध्यम से स्थानीय युवाओं को यहां के उद्योगों में अधिक से अधिक रोजगार मिले।

इसी कड़ी में 24 जुलाई से रायगढ़ में 'रोजगार मेला सप्ताह' की शुरुआत होने जा रही है। जिसमें 700 से अधिक रिक्तियों पर भर्ती की जायेगी। इसमें तकनीकी और गैर तकनीकी दोनों तरह के पद शामिल हैं। अलग अलग श्रेणी के पदों की भर्ती पृथक दिवसों पर की जायेगी। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए इच्छुक आवेदक को 20 जुलाई तक 'रायगढ़ मितान पोर्टल' में पंजीयन करना होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी श्री रामजीत राम ने बताया कि निजी क्षेत्र की रिक्तियों की भर्ती के लिए 24 जुलाई 2023 से रोजगार मेला सप्ताह की शुरुआत होने जा रहा है। जिसका आयोजन जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायगढ़ में किया जाएगा। जिसके लिए 22 नियोजकों से तकनीकी तथा गैर तकनीकी से संबंधित 700 से अधिक रिक्तियों की प्राप्ति हो चुकी है। प्राप्त रिक्तियों की जानकारी रायगढ़ रोजगार मितान पोर्टल में अवलोकन किया जा सकता है। इच्छुक आवेदक 20 जुलाई 2023 तक रायगढ़ रोजगार मितान पोर्टल अथवा क्यूआर कोड स्कैन कर अनिवार्यत: स्वयं पंजीयन करवा लें, जिससे रोजगार मेला में सुगमता पूर्वक चयन की कार्यवाही किया जा सके।

रोजगार मेले में ऑनलाइन पंजीयन के लिए रायगढ़ रोजगार मितान पोर्टल बनाया गया है। इसमें पंजीयन के लिए आवेदक को पोर्टल में जाना होगा। वहां तीन लाइन वाले मेनू बटन पर क्लिक करने पर एक ड्रॉप डाउन मेनू खुलेगा।

दस लाख की लागत से मचेवा में बनेगा ब्राम्हण समाज के लिए सामुदायिक भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के प्रयास से ग्राम पंचायत मचेवा में ब्राह्मण समाज के लिए सामाजिक भवन की सौगात मिली है। ग्राम में दस लाख की लागत से सामाजिक भवन का निर्माण कराया जाएगा।

ग्राम पंचायत मचेवा में सामाजिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर थे। पूजा अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, समाज के अध्यक्ष होरीलाल पांडे, उपाध्यक्ष अश्वनी तिवारी, कोषाध्यक्ष राम गोपाल तिवारी, सचिव राजेश मिश्रा, सह सचिव दीपक तिवारी, पार्षद मनीष शर्मा, गोविंद साहू, सुखदेव साहू, किशन देवांगन मौजूद रहे। पूजा अर्चना पश्चात मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर ने सामाजिक पदाधिकारियों व ग्रामीणों की मौजूदगी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। अपने संबोधन में संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर ने कहा कि जल्द ही ग्राम में ब्राम्हण समाज के लिए भवन की सौगात मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज की मांग पर सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा है। जिसके लिए भूमिपूजन किया गया। अतिशीघ्र ही सामुदायिक भवन निर्माण कराया जाएगा। भवन बनने से समाज की बैठकों व अन्य आयोजनों के लिए सहुलियत होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दिलीप तिवारी, विनोद शर्मा, राजेश तिवारी, राजेश शर्मा, सुशील शर्मा, राजू शर्मा, महेश शर्मा, अग्रज शर्मा, समीर तिवारी, अनुभव तिवारी, अभिषेक शर्मा, संजय शर्मा, संतोष शर्मा, महेश दुबे, श्रीमती सुनीता दीवान, राजेश्वरी तिवारी, मधु तिवारी, डॉ मंजू शर्मा, श्रीमती शुभ्रा शर्मा,सतीश पांडे सहित ग्रामीणजन मौजूद थे।

सफलता की कहानी: गौठानों में मछली पालन कर समृद्ध हो रहीं समूह की महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सुराजी योजना ग्रामीण जनजीवन के लिए नई दिशा लेकर आई है। इसके तहत नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ महिलाओं में नया आत्मविश्वास भी जगा रही है। गरूवा योजना के तहत निर्मित गौठानों में चल रही आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। गौठानों में चल रहे मछली पालन का कार्य समूह की महिलाओं के लिए स्वरोजगार का महत्वपूर्ण जरिया बन गया है। मछली पालन के व्यवसाय से हो रही निरंतर आमदनी से इन महिलाओं की

आर्थिक स्थिति में आशातीत सुधार हुआ है, जिससे उनके परिवार में खुशहाली आई है। गांवों में स्थापित गौठान पशुधन संरक्षण, संवर्धन, वर्मी कम्पोस्ट एवं कीटनाशक दवाईयों, गोबर पेंट आदि के निर्माण के साथ सब्जी उत्पादन जैसे अनेक आजीविकामूलक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वरोजगार प्रदान करने का कारगर माध्यम बन गए हैं। इसी कड़ी में बालोद जिले के गुरूर विकासखण्ड के जेवरतला, भानपुरी एवं डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के खपराभाट एवं नंगूटोला गौठानों में स्वसहायता समूह की महिलाएं मछली पालन कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहीं है। गुरूर विकासखंड के ग्राम जेवरतला गौठान के डबरी के 0.162 हेक्टेयर(40 डिसमिल) में जलक्षेत्र में जय मां दुर्गा स्व-सहायता समूह के 13 महिलाओं के द्वारा मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। इन महिलाओं के द्वारा अब तक गौठान की डबरी से कुल 472 किलोग्राम मछली को प्रति किलो 150 रुपये की दर से कुल 70 हजार 800 रुपये में बिक्री की गई है। जिससे इन महिलाओं को 52 हजार 330 रुपये की शुद्ध आमदनी हुई है। इसी तरह से मछली पालन के व्यवसाय में लगी मां दुर्गा स्वसहायता समूह की महिलाओं को 4025 रुपये की आमदनी हुई है। डौडीलोहारा विकासखंड के ग्राम खपराभाट गौठान में निर्मित डबरी में जय शीतला स्वसहायता समूह की 12 महिलाओं द्वारा मछली पालन किया जा रहा है।

महिला चेंबर ने मोटीवेशनल शाम कार्यक्रम का आयोजन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अदिति सिंघल एवं मुख्य अतिथि के रूप में चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी तथा श्रीमती दिप्ति प्रमोद दुबे जी उपस्थित रहे। महिला चेंबर की संरक्षक श्रीमती मीनाक्षी टुटेजा, श्रीमती आभा मिश्रा, अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, महामंत्री श्रीमती पिंकी अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती कांता धीमन, मंत्री श्रीमती निष्ठा चतुर्वेदी ने बताया कि आज चेंबर भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में "मोटीवेशनल शाम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अदिति सिंघल, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं श्रीमती दिप्ति प्रमोद दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मन की एकाग्रता, स्वयं पर नियंत्रण, आत्म विश्वास बनाए रखना एवं अपने दिमाग को कैसे प्रशिक्षित करना जिससे जीवन में स्थिरता आ सके और बड़े से बड़े लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें आदि के बारे में जानकारी दी गई वहीं चेंबर अध्यक्ष श्री पारवानी जी ने महिला चेंबर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की तारीफ करते हुए। कहा कि आज सामाजिक, व्यापारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए व्यक्ति खुद की उम्मीदों पे खरा उतर नही पाता जिससे उसका मनोबल टूटता है और वे खुद को कमतर सोचने लगते हैं जिनमे इस तरह के मोटिवेशनल कार्यक्रम से नई ऊर्जा का संचार किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अदिति सिंघल जी ने कहा कि लोगों को आज कल सभी चीजें जल्द और आसानी से चाहिए होते हैं। और जब ऐसा नहीं होता तब वे बहुत ही परेशान होने लगते हैं, जीवन बोझ की तरह लगने लगती है और वे अपना आत्मविश्वास खोने लगते हैं जो बड़ी ही गंभीर समस्या है। डॉ. सिंघल आगे बताती है कि कैसे हम छोटे-छोटे सुधार करके खुद को और अपने जीवन को बेहतर बना सकते है। जैसे हम कैसे अपने माइंड को ट्रेन कर सकते हैं। आपकी उम्र क्या है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, जिंदगी में ऐसा बहुत बार होता है, जब आप अपनी स्मृति की कमी की वजह से, खुद को दूसरों से कम समझने लगते हैं। आत्मविश्वास को हमेशा बनाए रखना चाहिए ये हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी साबित होती है। आत्मविश्वास मनुष्य के अंदर ही समाहित होता है। बस जरूरत है अपने अंदर की आंतरिक शक्तियों को इकट्ठा कर अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की। जीवन में सफलता के लिए आत्मविश्वास उतना ही आवश्यक है, जितना मनुष्य के लिए ऑक्सीजन और पानी।

दुनिया का सबसे कठिन कार्य होता है अपने मन पर काबू पाना। अपने मन पर काबू पाने के लिए, सबसे पहले उन व्यवहारों पर आत्म-नियंत्रण करना, जिन्हें आप बदलना चाहते हैं, सबसे ज्यादा जरूरी है। यहाँ पर ऐसी बहुत सारी ट्रिक्स हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने मन और व्यवहार को पूरी तरह से बदल सकते हैं। स्वयं को कभी भी दूसरों के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए प्रत्येक व्यक्ति का एक अलग गुण होता है तो खुद को पहले परखें, अंतर्मुखी बने और खुद को जानने की कोशिश करें।

स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय शालाओं में मतदाता जागरुकता के संबंध में विविध कार्यक्रम

गरियाबंद। आगामी विधानसभा निर्वाचन एवं सभी निर्वाचनों में नागरिकों द्वारा शत प्रतिशत मतदान करने एवं उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में उत्साह के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ''स्वीप'' चलाए जा रहे है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता जागरूता कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। स्वीप कार्यक्रमों के तहत जिले के हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में प्रत्येक शनिवार को रंगोली, निबंध, भाषण, वाद-विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मतदाता जागरूकता दौड़ जैसे किसी एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

योजना बनाकर तैयारी करें, सफलता अवश्य मिलेगी : प्रो. सुमेर सिंह

रायपुर (ए)। आईटीएम यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रो. सुमेर सिंह ने कहा है कि विद्यार्थियों को सफलता तभी मिलेगी जब वह पहले से ही अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए योजना बना कर तैयारी करें। उन्होंने शनिवार को छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन द्वारा 10वीं-12वीं में 90 प्रतिशत व उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उक्त बातें कहीं। कार्यक्रम में एसोसियेशन के संयोजक जी.एस. बॉम्बरा, सचिव दीप सिंह जब्बल, एजुकेशन कमेंटी के चेयरमैन डॉ. बी.एस.छाबड़ा भी उपस्थित थे।

प्रो. सुमेर ने वृंदावन हाल में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में कहा कि यहां सम्मानित होने वाले विद्यार्थी 90 प्रतिशत तथा उससे अधिक अंक वाले काफी प्रतिभाशाली छात्र -छात्राएं हैं। वे इन बातों को जानते हैं कि उन्होंने यह सफलता अपनी मेहनत से प्राप्त की है। उन्होनें कहा कि कोई भी लक्ष्य पूरे तैयारी करने तथा आत्म विश्वास से ही प्राप्त होता है। प्रो सिंह ने उपस्थित पालकों से कहा कि बच्चे तो मासूम होते हें, माता-पिता ही बच्चों के टैलेन्ट को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाते हैं। विद्यार्थियों से उन्होनें कहा कि मान लो तो हार, ठान लो तो जीत है। वे कहते हैं कि इसी बात को ध्यान रखने की जरूरत है। आईडीएम यूनिवर्सिटी ग्रुप मुंबई के डायरेक्टर कैरियर कांऊसिलिंग धर्मवीर धीर ने विदार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में आपको क्या बनना है यह पहले से ही तय कर लेना चाहिए। एक वास्तविक उदाहरण देते हुए उन्होनें बताया कि एक ही साथ पढ़े दो छात्र अपनी पढ़ाई के बाद अमरीका की एक कंपनी में नौकरी में लगे। इसमें एक का वेतन 50 लाख रुपए तथा दूसरे का वेतन 10 लाख रुपए सालाना था। इसका कारण था कि दोनों की पर्सनैल्टी में काफी अंतर था।

रायपुर से गुजरने वाली वंदे भारत ट्रेन के किराए में नहीं होगी कटौती

रायपुर (ए)। बिलासपुर से नागपुर के बीच दौड़ रही वंदे भारत एक्सप्रेस में रायपुर मंडल से औसतन 70 प्रतिशत यात्री सफर कर रहे है, इसलिए रेलवे ने किराए में 25 प्रतिशत की कटौती नहीं करने का फैसला लिया है। दरअसल, रेलवे बोर्ड ने पिछले दिनों 50 प्रतिशत से ज्यादा सीटें खाली रहने वाली ट्रेनों के यात्री किराए में 25 प्रतिशत तक कटौती करने की घोषणा की है। इसमें वंदेभारत एक्सप्रेस भी शामिल है। गौरतलब है कि 16 बोगियों वाली वंदे भारत का किराया ज्यादा होने के कारण अधिकांश यात्री इस ट्रेन से सफर को प्राथमिकता नहीं दे रहे थे, इसलिए दो महीने पहले ही इसकी आठ बोगी कम कर दी। इसके चलते 1128 की जगह अब इस ट्रेन में यात्री क्षमता 546 की रह गई हैं। ट्रेन में क्षमता कम होने व यात्रियों की संख्या के अनुपात में अंतर कम होने के कारण ही छूट का लाभ इस ट्रेन के यात्रियों को नहीं मिल पायेगा।

प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया था शुभारंभ

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर से नागपुर के बीच चलने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को नागपुर रेलवे स्टेशन पर 11 दिसंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया था।यह ट्रेन बिलासपुर से नागपुर व नागपुर से बिलासपुर सप्ताह में छह दिन एक फेरे में चलाई जाती है।

छत्तीसगढ़ को मिला पृथ्वी अवॉर्ड्स 2023

महिला स्व-सहायता समूहों और छत्तीसगढ़ वनोपज संघ को मिला ईएसजी के क्षेत्र में सम्मान

सुशासन और महिला सशक्तिकरण के लिए पृथ्वी अवॉर्ड्स से सम्मानित हुआ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ

आर्थिक स्तर में सतत् विकास में योगदान हेतु कवर्धा और बस्तर के स्व-सहायता समूह हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को वैश्विक स्तर पर ईएसजी यानी पर्यावरण, सामाजिक कल्याण और सुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सरकारी श्रेणी अंतर्गत पृथ्वी अवॉर्ड्स 2023 से नवाजा गया। यह पुरस्कार भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल द्वारा प्रदान किया गया। इस दौरान प्रदेश में ग्रामीण विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एनजीओ-स्वयंसेवक श्रेणी में राज्य के दो स्व-सहायता समूह को भी सम्मानित किया गया। कवर्धा जिले से जुनवानी गांव के जय बुढ़ा देव स्व-सहायता समूह और बस्तर जिले के आसना गांव के वर्षा स्व-सहायता समूह को सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली में 14 और 15 जुलाई को आयोजित ईएसजी ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में पृथ्वी अवॉर्ड्स ईएसजी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है, जो भारत में ईएसजी अनुपालन के लिए एक सराहनीय पहल है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ लगातार आदिवासी ग्रामीण अंचलों में वनोपज के माध्यम से रोजगार मूलक गतिविधियां कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। करीब 100 से अधिक वन उत्पादों को छत्तीसगढ़ हर्बल्स का ब्रांड नाम दिया गया। वन-धन केंद्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के वनांचलों से निकले जैविक शुद्धता वाले तमाम प्रोडक्ट्स के रूप में घरों तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण महिलाएं वनोपज आधारित आर्थिक विकास का मॉडल बनाने में लगातार शासन-प्रशासन के साथ आगे आ रही हैं।

वनांचलों में ग्रामीण आजीविका का तेजी से विस्तार कर रहा छत्तीसगढ़ हर्बल्स

प्रदेश के वनांचलों में ग्रामीण विकास और उत्थान के लिए कार्य किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ अंतर्गत छत्तीसगढ़ हर्बल्स के प्रोडक्ट्स स्थानीय संजीवनी स्टोर, सी-मार्ट और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर भी उपलब्ध हैं। यहां न केवल सर्वश्रेष्ठ हर्बल, आयुर्वेदिक और पर्सनल केयर के प्रोडक्ट्स बनाए जा रहे हैं, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और आदिवासी परिवारों को सशक्त बनाना है। इससे न सिर्फ वनोपजों को नई पहचान मिली है, बल्कि पूरा छत्तीसगढ़ आदिवासी महिलाओं और उनके परिवारों के स्वाभिमान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रहा है।

पर्यावरण सहेजने अनेक योजनाएं संचालित

नरवा कार्यक्रम अंतर्गत अब तक वनांचलों के 6395 नालों को पुनर्जीवित कर 22 लाख 92 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को उपचारित किया जा चुका है। इससे नालों के आसपास के क्षेत्र में भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है। निस्तार और सिंचाई के लिए जल की उपलब्धि बढ़ी है। जमीन में नमी भी बढ़ी है। छत्तीसगढ़ के वनांचलों में वनोपज आधारित आर्थिक विकास का गति देने के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में 65 प्रकार के वनोत्पादों की समर्थन मूल्य पर खरीदी कर उनका वैल्यूएडिशन एवं प्रोसेसिंग का कार्य किया जा रहा है। जिससे वनांचल में रहने वाले लोगों को रोजगार मिल रहा है और उनकी आमदनी भी सुनिश्चित हो रही है। इसके अलावा प्रदेश में मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना अंतर्गत फलदार वृक्षों को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा वनावरण में भी वृद्धि हो रही है। इस योजना में लगभग 36 हजार एकड़ में प्लांटेशन करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना में किसानों द्वारा विशेष रूचि दिखाई जा रही है। राज्य में योजनांतर्गत अब तक 20 हजार से अधिक कृषकों का पंजीयन हो चुका है, परन्तु 23 हजार से अधिक हितग्राहियों द्वारा लगभग 36 हजार एकड़ निजी भूमि में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत वृक्षारोपण के लिए सहमति दी गई है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बनी बस्तर की इमली

बस्तर के एक छोटे से गांव आसना के वर्षा स्व-सहायता समूह ने अथक प्रयासों से अपने क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया और सशक्त बनाने की दिशा में अग्रसर रहीं कुल 10 महिला स्व-सहायता समूहों के साथ 104 सदस्यों की एक इकाई वन धन योजना अंतर्गत कार्यरत है।

इमली की प्राथमिक प्रसंस्करण गतिविधि से स्थानीय आबादी को 23 लाख रुपये से अधिक आय प्राप्त हुई है। वर्षा एसएचजी की गतिविधि से 3000 से अधिक स्थानीय वनवासी लाभान्वित हुए हैं। स्थानीय लोगों से 4,500 क्विंटल इमली की खरीद से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में 1.54 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है और इसके परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों की वित्तीय और सामाजिक स्थिति में वृद्धि हुई।

जय बुढ़ा देव स्व-सहायता समूह ने मोटे अनाज को दी नई पहचान

जयबुढ़ा देव स्व-सहायता समूह 10 समूहों के अंतर्गत 244 सदस्यों की इकाई है, जो मोटे अनाज यानि अन्न के उत्पादन और प्राथमिक प्रसंस्करण के लिए कार्यरत है। बीते साल जय बुढ़ा स्व-सहायता समूह ने 30 से 33 रूपए प्रति किलो की दर से करीब 8187 क्विंटल मोटे अनाज की खरीदी की और प्रसंस्कृत किया। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय किसानों को 2.45 करोड़ रुपये का वित्तीय पारिश्रमिक प्राप्त हुआ।

शैक्षणिक संस्थाओं में सड़क सुरक्षा के नियमों का सुनिश्चितीकरण कराने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शैक्षणिक संस्थाओं में सड़क सुरक्षा के नियमों का सुनिश्चितीकरण कराने के लिए सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है। इस संबंध में आवश्यकतानुसार नियमों के तहत कड़ी कार्यवाही करने कहा गया है। जिससे स्कूली विद्यार्थियों के यातायात में जोखिम और दुर्घटना की संभावना शून्य हो सके।

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में जारी पत्र में कहा गया है कि प्राय: यह देखने में आ रहा है कि विशेषकर शहरों में मोपेड़, दो पहिया वाहन, ऑटो रिक्शा, टैक्सी, मिनी बस आदि में ओवरलोड होकर स्कूली विद्यार्थियों की आवाजाही हो रही है। वाहनों में क्षमता से अधिक संख्या में लटककर विद्यार्थी आवागमन कर रहें है। इसके पीछे शैक्षणिक संस्थाओं, वाहन मालिकों, चालकों, पालकों एवं स्वयं विद्यार्थियों द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात के सामान्य नियमों एवं मानदंडों का पालन नही किया जाना मुख्य कारण हैं। अक्सर ऐसी चुकें स्कूली विद्यार्थियों के लिए यह जानलेवा भी साबित होती रही है।

इस परिपेक्ष्य में स्मरण हो कि पूर्व में भी मुख्य सचिव द्वारा सड़क दुर्घटना रोकने, सड़क सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंधन करने, सड़क सुरक्षा समिति की बैठक और समीक्षा नियमित रूप से करने, सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपाय और प्रयास तथा सड़क सुरक्षा अभियान चलाने के संबंध में निर्देश दिए गए है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश पर राज्य में अंतरविभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) के माध्यम से सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे है।

अत: जिलों में खासकर शहरी और नगरीय इलाकों में स्कूली विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण दुर्घटना से बचाने की दिशा में परिवहन, पुलिस, शिक्षा, उच्च शिक्षा, नगरीय विकास, जनसम्पर्क विभाग सहित संबंधित हितधारकों जैसे- शाला प्रबंधन समिति, पालक समिति, स्काउट एवं गाईड, एनसीसी, स्वयंसेवी संस्थाओं, युवा संगठनों, निजी शैक्षणिक संस्थाओं आदि के संयुक्त प्रयासों के साथ एक सुदीर्घ कार्ययोजना एवं रणनीति बनाकर उनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इसकी समयबद्ध तरीके से मानिटरिंग भी होनी चाहिए। आवश्यकतानुसार नियमों के तहत कड़ी कार्यवाही भी की जाए, जिससे स्कूली विद्यार्थियों के यातायात में जोखिम और दुर्घटना की संभावना शून्य हो सके।

चिटफंड निवेशकों का पैसा लौटा रही है भूपेश सरकारः कांग्रेस

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता का बयान उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार चिटफंड कंपनियों के मालिकों को गिरफ्तार कर रही है। उनके संपत्तियों को जप्त कर रही है नीलाम कर रही है और चिटफंड निवेशकों के पैसे को लौटा रही है। भाजपा प्रवक्ता की याददाश्त कमजोर है चिटफंड कंपनियों ने पूर्व रमन सरकार के सह में प्रदेश की जनता को लूटने का काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह उनकी धर्म पत्नी वीणा सिंह उनके पुत्र अभिषेक सिंह तत्कालीन भाजपा के अध्यक्ष धरमलाल कौशिक सहित भाजपा

के कई नेता चिटफंड कम्पनियों के उद्घाटन करते थे उनके लिए रमन सरकार रोजगार मेला लगाती थी और रमन सरकार के संरक्षण में चिटफंड कम्पनियों ने प्रदेश की गरीब जनता से हजारों करोड़ रुपए की लूट की है। रमन सरकार के दौरान कुकुरमुत्ते की तरह गांव गांव में चिटफंड कम्पनियां पनपी थी। चिटफंड घोटाला की तरह ही इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक में घोटाला हुआ। घोटाला बाजो को बचाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल ने करोड़ों रुपए की रिश्वत ली थी। यह बैंक के मैनेजर के नारको टेस्ट के वीडियो में स्पष्ट है भाजपा का काम घोटाला घपला बाजी करना था।

उन्होंने कहा कि चिटफंड कंपनियों पर कार्यवाही हो रही है उनके जमीन और संपत्ति को नीलाम किया जा रहा है तो भाजपा नेताओं को पीड़ा हो रही है भाजपा के नेता कल भी चिटफंड लुटेरों के साथ खड़ी हुई थी और आज भी चिटफंड कंपनी के लुटेरों को बचाने के लिए बयान बाजी कर रही है भाजपा के 15 साल के शासनकाल में सिर्फलूट ही लूट हुई थी।

शनिवार को जमकर बरसे बादल, अगले दो दिनों तक ऐसा ही रहेगा मौसम

रायपुर (ए)। कई दिनों की उमस के बाद शनिवार को मौसम ने रहत दी है। दोपहर से लगातार बारिश हो रही है। सुबह से ही घने बादलों ने यह अहसास दिला दिया था कि मौसम बदलने वाला है। दोपहर से शुरू हुई बारिश के चलते मौसम खुशनुमा बन गया है और लोगों को गर्मी-उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार स्थानीय प्रभाव के कारण बारिश हो रही है।मिली जानकारी के अनुसार, मौसम विभाग ने सुबह ही बारिश होने की संभावना जताई थी और अब रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बारिश शुरू हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिन में बारिश को लेकर सिस्टम बनेगा और जमकर बारिश भी होगी। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई स्थानों में बारिश होने की संभावना जताई है।

मोतियाबिंद ऑपरेशन से 815 लोगों को मिली नई रोशनी

सघन मोतियाबिंद मुक्त अभियान के तहत मोतियाबिंद पीड़ितों का किया जा रहा है त्वरित ऑपरेशन

मरीजों की पहचान के लिए डोर-टू-डोर अभियान

रायपुर। बस्तर जिले को मोतियाबिंद मुक्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। जिले में चिन्हांकित इसके 1392 पीड़ितों में से 563 मरीजों का सघन मोतियाबिंद मुक्त अभियान के तहत सफल ऑपरेशन कर उनकी आंखों की रोशनी लौटाई गई है। बस्तर जिले में 15 मई 2023 से यह विशेष

अभियान संचालित किया जा रहा है। इसमें जिले के सभी विकासखंडों में संभावित मरीजों का सर्वे कर 3512 मरीजों की जांच कर 1392 की पुष्टि मोतियाबिंद मरीजों के रूप की गई है। सर्वे कार्य अभी भी सतत जारी है। अभियान के दौरान मिले मरीजों में से 563 तथा सर्वे के पहले चिन्हांकित 252 सहित अब तक 815 मरीजों का ऑपरेशन कर इस बीमारी से निजात दिलाई जा चुकी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी ने बताया कि बस्तर जिले को जल्द से जल्द मोतियाबिंद मुक्त करने के लिए यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत हर मरीजों की पहचान के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया जा रहा है। चिन्हांकित मरीजों का शीघ्र ऑपरेशन सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल और महारानी अस्पताल के डॉक्टरों को जिम्मेदारी दी गई है। सघन मोतियाबिंद मुक्त अभियान के अंतर्गत बकावंड में 99, बास्तानार में 32, लोहंडीगुड़ा में 37, दरभा में 71, तोकापाल में 63 और जगदलपुर (नानगुर) में 123 मरीजों का आपरेशन किया गया। बस्तर विकासखंड में अब तक चिन्हांकित सभी मरीजों का आपरेशन किया जा चुका है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन की शूटिंग शुरू की

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपनी आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग शुरू कर दी है। कार्तिक आर्यन की हाल ही में फिल्म सत्यप्रेम की कथा प्रदर्शित हुयी है। कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अपने आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन का एलान किया है। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित किया जायेगा।

चंदू चैंपियन का निर्देशन कबीर खान द्वारा किया जाएगा। कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन की शूटिंग शुरू कर दी है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उसे कैप्शन दिया, शुभारंभ।और मेरे करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्रा शुरू होती हैज कैप्टन ञकबीर खान के साथ ञचंदू चैंपियन। तस्वीर में कार्तिक को चंदू चैंपियन के पहले टेक के लिए क्लैपबोर्ड की तरफ इशारा करते देखा जा सकता हैं, जिसे कबीर खान ने पकड़ा हुआ है। फिल्म चंदू चैंपियन की कहानी एक खिलाड़ी की असाधारण असल जीवन की कहानी है, जिसमें उसकी कभी हार न मानने की भावना को दर्शया गया हैं। कार्तिक इस फिल्म में चंदू का किरदार निभाएंगे। फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनुपम खेर की शिव शास्त्री बालबोआ ने ओटीटी पर दी दस्तक

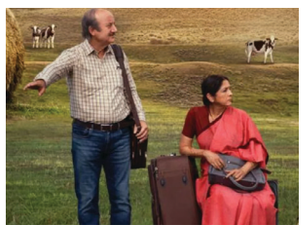

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म शिव शास्त्री बालबोआ ने 10 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। अब शिव शास्त्री बालबोआ ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे दी है। इसका प्रीमियर 14 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर हो गया है। ऐसे में अगर आपने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है तो अब घर बैठे इसे देख सकते हैं।

शिव शास्त्री बालबोआ में अनुपम के अलावा नीना गुप्ता, जुगल हंसराज, नरगिस फाखरी और शारिब हाशमी जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आए थे। इसका निर्देशन अजयन वेणुगोपालन द्वारा किया है, जबकि किशोर वरिएथ शिव शास्त्री बालबोआ के निर्माता हैं। फिल्म की कहानी अजयन वेणुगोपालन ने लिखी है। आने वाले दिनों में अनुपम द वैक्सीन वॉर में नजर आएंगे। द इंडिया हाउस, इमरजेंसी और मेट्रो इन दिनों जैसी फिल्में भी अनुपम की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार हैं।

खुद को आराम देने के लिए कहीं आप भी तो नहीं कर रहे बेड रोटिंग

सोशल मीडिया पर आए दिन कोई न कोई ट्रेंड चलता रहता है और युवा इन ट्रेंड को फॉलो भी करने लगते हैं। ऐसा ही एक नया ट्रेंड सोशल मीडिया पर चल रहा है जिसे बेड रोटिंग कहा जाता है। बेड रोटिंग एक ऐसा कॉनसेप्ट है जिसमें जिंदगी के प्रेशर को कम करने और काम से हटकर खुद को आराम देने के बारे में है। कई बार हमारा कुछ भी काम करने का दिल नहीं करता है। मन ऐसा करता है कि बस पलंग पर लेटे रहें। इसे ही बेड रोटिंग कहा गया है। लेकिन फायदा पहुंचाने वाला ये बेड रोटिंग कई मायने में आपके सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए जानते हैं कैसे?

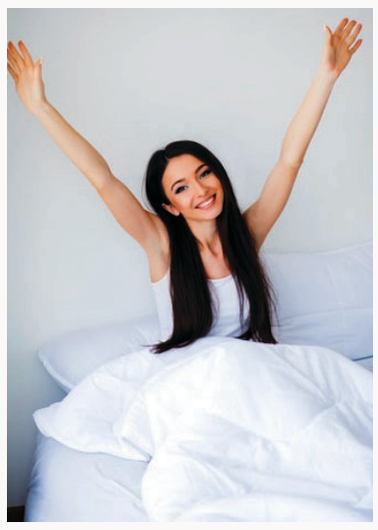

किस तरह से बेड रोटिंग आपको नुकसान पहुंचा सकता है?

जैसा कि अब तक आप समझ ही गए हैं कि बेड रोटिंग एक सोची-समझी एक्टिविटी होती है। इसका सीधा मतलब है दुनिया से अंजान बनकर लेटे पड़े रहना। इसमें व्यक्ति देर तक लेट कर गाने सुनता है या फिर किसी से बात करता है या मूवी देखता है। ये 2 से 3 दिन तक भी हो सकता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। एक रिसर्च में बताया गया है कि बिस्तर पर देर तक सोना या लेटना मूड स्विंग का कारण बन जाता है। इसके चलते आप तनाव में डूब सकते हैं। 2 से 3 घंटे और ज्यादा से ज्यादा एक दिन तक ऐसे करना ठीक है लेकिन ये वक्त बढ़ता है एक या 2 दिन से ज्यादा बेड रोटिंग कर रहे हैं तो यह आपके मेंटल हेल्थ को लेकर समस्याएं बढ़ा सकता है।

बेड रोटिंग से हो सकती है ये समस्या

दिनभर बेड पर लेटने से आपकी कमर और बैकबोन पर भी इसका प्रभाव नजर आने लगता है। शरीर की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द होने लगता है और इस तरह से आप खुद को कमजोर और बीमार महसूस करने लगते हैं। दिनभर बेड पर लेटने से शरीर में सुस्ती आने लगती है। आप फिजिकल एक्टिविटी नहीं करते हैं। ये मोटापे का कारण भी बन सकता है। मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है और आपको काफी अनहेल्दी फील कराता है। इसके अलावा जो लोग सुबह उठते हैं उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है लेकिन यह आदत इसके उलट है। इस तरह के ट्रेंड हाइजीन के लिए भी अच्छा नहीं है। तो कुल मिलाकर इससे आपको नुकसान भी पहुंच सकता है।

राजकुमार राव की पूरी हुई तमन्ना, मिला भगत सिंह बनने का मौका

राजकुमार राव बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने अपने दम पर दर्शकों के बीच एक खास पहचान बनाई है। वह कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का परिचय दे चुके हैं। राजकुमार ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं और अब उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह बनने का अवसर भी मिल गया है, जिसे निभाना उनके लिए एक सपना सच होने जैसा है। आइए जानते हैं क्या जानकारी मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार जल्द ही भगत सिंह की भूमिका निभाते दिखेंगे। वह इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं और जल्द से जल्द देशभक्त का किरदार पर्दे पर उतारना चाहते हैं। हालांकि, अभी यह प्रोजेक्ट शुरुआती चरण में है क्योंकि लेखकों की टीम सिंह के जीवन से जुड़े तथ्यों और पहलुओं पर शोध कर रही है। राजकुमार भी लेखकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं क्योंकि यह प्रोजेक्ट उनके दिल के बेहद करीब है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। इसे उसी हिसाब से बनाया जा रहा है। टीम इसके लिए ऐसा कंटेंट खंगालने की कोशिश कर रही है, जो इससे पहले कभी दर्शकों के लिए नहीं परोसा गया। फिलहाल यह तय नहीं है कि इसे फिल्म की शक्ल दी जाएगी या वेब सीरीज की। अभी कहानी को लेकर शोध चल रही है। इसे तैयार होने में अभी लगभग 6 से 8 महीने लगेंगे।

राजकुमार ने 2012 में फिल्म शाहिद में वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी का जीवन पर्दे पर उतारा था और अपने दमदार अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था। इस फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता थे। 2017 में राजकुमार ने वेब सीरीज बोस डैड/अलाइव में सुभाष चंद्र बोस का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में राजकुमार ने कहा था, मैं भगत सिंह से बेहद प्रभावित हूं। मैं उनका किरदार अपने तरीके से निभाना चाहता हूं। बड़े पर्दे पर कई कलाकार भगत सिंह बन चुके हैं। फिल्म शहीद-ए-आजम में सोनू सूद ने ये किरदार निभाया था। फिल्म शहीद में मनोज कुमार भगत सिंह बने थे। द लेजेंड ऑफ भगत सिंह में अजय देवगन को यह किरदार निभाने का मौका मिला था।

राजकुमार अपनी हिट फिल्म स्त्री के दूसरे भाग स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसमें एक बार फिर उनके साथ श्रद्धा कपूर नजर आएंगी। इस फिल्म में वरुण धवन भी नजर आएंगे। राजकुमार को फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में भी देखा जाएगा, जिसमें उनकी जोड़ी जान्हवी कपूर के साथ जमी है।

ब्लू डीपनेक आउटफिट में अवनीत कौर का बोल्ड लुक वायरल

21 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर की स्टाइलिश आउटफिट को देखकर फैंस का आहें भरना लाजमी है। उनका बोल्ड और किलर अंदाज फैंस के सिर आंखों पर चढ़कर बोलता है। वहीं, एक्ट्रेस अवनीत कौर ने लेटेस्ट आउटफिट के साथ अपनी किलर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने ब्लू कलर की डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में एक से बढ़कर एक किलर पोज दिए। टीकू वेड्स शेरू फेम एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों को बेताब करने का हुनर बखूबी जानती हैं। ब्लू कल की डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस अवनीत कौर अपना जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। इनडोर सेटअप में एक्ट्रेस अवनीत कौर की तस्वीरों पर फैंस बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही लाइक्स और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अवनीत कौर कभी अपने ट्रेडिशनल लुक तो कभी अपने ग्लैमरस अंदाज से धमाल मचाए रहती हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के इंस्टा पर 32.9 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए लगातार वीडियो या फोटो शेयर करती रहती हैं। अवनीत जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक करते हैं।

कुर्सी को कहें बाय बाय, आपको सेहतमंद बना देगी जमीन पर बैठने की आदत

माइंड पॉजिटिव रहता है

जमीन पर बैठने से मन में पॉजिटिविटी बढ़ती है। इससे दिल-दिमाग से निगेटिविटी का सफाया हो जाता है। अगर आप हर दिन 10 से 15 मिनट ही जमीन पर बैठते हैं तो खुद में एक अलग तरह की एनर्जी महसूस करेंगे।

बॉडी फ्लैक्सिबल बनती है

जमीन पर बैठने और उठने में शरीर के सभी मुख्य जोड़ों का इस्तेमाल होता है। कई मांसपेशियां भी इसमें वर्क करती हैं। रोजाना जमीन पर बैठना एक तरह की एक्सरसाइज ही है। नियमित तौर पर इसकी प्रैक्टिस बॉडी को फ्लैक्सिबल बनाती है।

दिमाग के लिए फायदेमंद

पद्मासन और सुखासन की तरह ही जमीन पर बैठना भी दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद होता है। अगर आपका मन पढ़ाई में नहीं लग रहा है या किसी चीज में दिमाग नहीं काम कर रहा तो जमीन पर बैठने का आदत डालनी चाहिए।

जमीन पर बैठना प्राचीन भारतीय संस्कृति रही है। हमारे यहां खाना खाने से लेकर शिक्षा पाने तक कई काम जमीन पर ही बैठकर ही किए जाते थे। लेकिन समय बदलने के साथ अब कुर्सी और सोफे ने अपनी जगह बना ली है। यह सच है कि इन चीजों से हमारी लाइफस्टाइल बदली हैं और सुविधाएं भी बढ़ी हैं लेकिन इससे सेहत से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ी हैं। जमीन पर बैठना सिर्फ हमारी संस्कृति ही नहीं थी, इससे कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं। जमीन पर बैठने के फायदे अगर आप जान लेंगे तो यकीन मानिए कुर्सी पर बैठना छोड़ देंगे।

बॉडी पोश्चर बेहतर होती है

अगर आप रोजाना जमीन पर बैठते हैं तो आपकी बॉडी पोश्चर सुधरती है। चूंकि हर दिन जमीन पर बैठने से मांसपेशियां और जोड़े काम करते हैं, उनका इस्तेमाल होता है, इससे पोश्चर में सुधार होता है।

पाचन तंत्र दुरुस्त होता है

जमीन पर बैठने से पाचन क्रिया अच्छी होती है। जमीन पर बैठकर भोजन करना पेट के लिए फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र की समस्याएं कम होती हैं। इसलिए रोजाना जमीन पर जरूर बैठें। हो सके तो खाना जमीन पर ही बैठकर खाएं।

मीत में टॉम-बॉय लुक छोड़ आशी सिंह बनी दुल्हन शो में आएगा नया ट्विस्ट

लोकप्रिय शो 'मीत' में मीत की बेटी सुमीत की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आशी सिंह इस शो में पूरी तरह दुल्हन का जोड़ा पहनेंगी। शो के दो साल चलने के दौरान, यह पहली बार होगा जब आशी लंबे बालों के साथ एक महिला की पोशाक पहनेंगी।

यह शो मीत हुडा की कहानी प्रस्तुत करता है, जो लैंगिक भूमिकाओं के सामाजिक मानदंडों पर सवाल उठाती है और साबित करती है कि ऐसा कोई काम या जिम्मेदारी नहीं है जो एक महिला नहीं ले सकती। हाल ही में शो में 16 साल के लीप के बाद, दर्शकों ने देखा कि कैसे मीत की बेटी सुमीत (आशी सिंह) हमेशा अपनी मृत मां की तरह बनने की कोशिश कर रही है ताकि वह अपने नाम के अनुरूप जी सके। दर्शकों को कुछ रोमांचक ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसमें सुमीत की शादी शगुन (आम्रपाली गुप्ता) के बेटे रौनक (विक्रम भाम) से हो रही है।

उसी के बारे में बात करते हुए, आशी ने कहा, यह तीसरी बार है जब मैं शो में दुल्हन के रूप में तैयार हुई हूं। लेकिन, इस बार मैं एक टॉमबॉय दुल्हन नहीं हूं बल्कि सुमीत के व्यक्तित्व के अनुरूप एक स्त्रीवादी दुल्हन हूं। मैं अपना ब्राइडल लुक देखकर बहुत खुश हुई। 'ऑल गोल्ड' लहंगा और ज्वलेरी वास्तव में अलग दिखते हैं। शो में लुक वास्तव में सुमीत की सुंदरता और अवसर की भव्यता को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, शो के निर्माता और कॉस्ट्यूम डिजाइनर एक शानदार आउटफिट बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मेरा मानना है कि समग्र रूप पुराने ग्लैमर और आधुनिक सोफिस्टिकेशन का मिश्रण है। जहां तक मेरे मेकअप की बात है, यह सॉफ्ट और नेचुरल है, जो सुमीत की चमकदार सुंदरता को बढ़ाता है।

मीत के अपकमिंग एपिसोड में, सुमीत और रौनक की शादी का नाटक और तेज हो जाएगा जब रौनक उसका पति होने का दावा करता है जबकि सुमीत का दावा है कि यह श्लोक ही है जिसके साथ उसने शादी की है। मामला तब और बढ़ गया जब श्लोक ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। अपने चरित्र और मूल्यों के बारे में संदेह के बीच, सुमीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

छत्तीसगढ़ शासन युवाओं का भविष्य संवारने, रोजगार देने का काम कर रही है - संसदीय सचिव

मोहला,। जिले के मोहला, मानपुर और अंबागढ़ चौकी विकासखंड में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट कैंप में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। मानपुर में आयोजित प्लेसमेंट कैंप में पहुंचकर विधायक एवं संसदीय सचिव श्री इंद्रशाह मंडावी ने युवाओं को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए कहा की छत्तीसगढ़ शासन युवाओं का भविष्य को लेकर चिंतित है। शासन लगातार युवाओं के लिए अनेक योजना संचालित कर रही है। उन्होंने कहा की शासन युवाओं का भविष्य संवारने और रोजगार उपलब्ध कराकर भविष्य गढने का काम प्राथमिकता से कर रही है। नियोक्ता कंपनीयो और विभागीय अधिकारियों को युवाओं के साथ सकारात्मक सहयोग करने कहा। प्लेसमेंट कैंप में आए युवाओ का नियोजक कंपनियों के द्वारा काउंसलिंग किया गया। इनमे मोहला विकासखंड से 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसी प्रकार अंबागढ़ चौकी विकासखंड से 349 युवाओं ने प्लेसमेंट कैंप में हिस्सा लिया। मानपुर विकासखण्ड 130 युवाओं ने प्लेसमेंट कैंप में हिस्सा लिया। अम्बागढ़ चौकी से 100 प्रतिभागियों का विभिन्न नियोजक्ताओं के द्वारा चयन कर रोजगार उपलब्ध कराया गया। रोजगार कैंप में मुख्यत: सीपेट रायपुर, मारुति सुजुकी गुडग़ाँव व एल आई सी एवं अन्य नियोजक शामिल हुए।

जिला प्रशासन की पहल पर युवाओं के सपनों को मिली उड़ान

जशपुरनगर। जिला प्रशासन द्वारा जिले के युवतियों-महिलाओं को रोजगारोन्मुखी आवासीय प्रशिक्षण कोर्स के माध्यम से बेहतर करियर बनाने का अवसर प्रदान किया गया है। जिसके तहत लाइवलीहुड कॉलेज में जिला प्रशासन के सहयोग से नवगुरुकुल संस्था द्वारा कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग, मैनेजमेंट, एजुकेशन, अकाउंट एंड फाइनेंस के निशुल्क रोजगारोन्मुखी आवासीय प्रशिक्षण 18 महीने कोर्स संचालित किया जा रहा हैं, इन सभी कोर्स के साथ ही स्पोकन इंग्लिश एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट भी सिखाई जाएँगी। नवगुरुकुल जशपुर की प्रोग्राम मैनेजर लर्निंग सुश्री अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि जशपुर जिले की युवतियों-महिलाओं का कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग सहित अन्य क्षेत्र में बेहतर करियर बनाने लाईवलीहुड कॉलेज, जशपुर में 18 महीने का यह प्रशिक्षण जिला प्रशासन के सहयोग से नवगुरुकुल संस्था द्वारा दिया जा रहा हैं । विभिन्न कोर्स के चयनित छात्राओं को लैपटॉप दिया गया है। यहां कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग सहित अन्य कोर्स के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों को इंग्लिश कम्यूनिकेशन और लीडरशिप भी सिखाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थी कोडिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग सहित अन्य कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं , जिससे इन सभी क्षेत्रों में अपना कैरियर बना सकेंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद न्यूनतम 20 हजार रुपये का वेतन की नौकरी मिल सकेगी। भविष्य में अमेजन, नेटवेस्ट, एप्प स्क्रिप, मैक्यूरी, एक्सेंचर जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्य करने का अवसर मिल सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत न्यूनतम दसवीं कक्षा पास युवतियों-महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं ।

गंभीर कुपोषित बच्चों सुपोषित करने जनप्रतिनिधि बढ़ा रहे सहयोग का हाथ

जशपुर। जिले में कुपोषण के स्तर में कमी लाने, 0-5 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों को कुपोषण से मुक्त कराने, जनभागीदारी को बढ़ावा देने और एनिमिया मुक्त अभियान को सफल बनाने सुपोषण चौपाल कार्यक्रम का आयोजन जिला स्तर पर किया जा रहा है। कुपोषण स्तर में कमी एवं बेहतर क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति का गठन किया गया है जो स्वास्थ्य जागरूकता में सुधार और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समुदाय की पहुंच, विशिष्ट स्थानीय जरूरतों को पूरा करने और समुदाय आधारित योजना और निगरानी के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करने का एक मंच है।जो गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए बना मददगार साबित हो रहा है। कुपोषण को दूर करने के अधिकारियों द्वारा अपने चिन्हाकित गांव में जाकर सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधियों, पर्यवेक्षक, एएनएम, मितानिन एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थित में सुपोषण चौपाल लगाकर बच्चों के पालकों को जागरूक किया जा रहा है। जिसमें सरपंच, पंच, स्थानीय प्रतिनिधि अपनी सहभागिता निभा रहे है। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के तहत विकासखण्ड जशपुर के ग्राम पंचायत पोरतेगा के सरपंच द्वारा गंभीर कुपोषित बच्चों को दूध, अंडा, केला, सेब, प्रदाय कर उनके पोषण स्तर में सुधार हेतु सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। सरपंच द्वारा बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु प्रत्येक सप्ताह दूध, अण्डा, केला, फल्लीदाना प्रदान किया जा रहा है। सरपंच द्वारा स्वयं बच्चों के अभिभावकों से गृह भेंट की सामग्री वितरित किया जा रहा है। गृह भेंट के दौरान बच्चों के पोषण स्तर की जानकारी लेना, घर में स्वच्छता रखने जैसे परामर्श दिये जा रहे है।

युवा ऊर्जा को सकारात्मक रुप देने राजीव युवा मितान क्लब का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रोजगार के नए और स्थानीय आयामों पर कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ा रही है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक अब स्थानीय रोजगार के नए आयाम खुले हैं। पुरानी परम्पराएं अब रोजगार से जुड़कर आय का जरिया बन रही है। रोजगार का अनूठा मॉडल आज पूरे देश में चर्चा का विषय है, यही कारण है कि आज छत्तीसगढ़ पूरे देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य है। रूरल इंडस्ट्रियल पार्क गांवों में स्थानीय रोजगार और उद्यमिता विकास का एक महत्वपूर्ण जरिया बन गया है।

इनसे जुड़कर महिलाएं, युवा, किसान और मजदूरों समेत हर वर्ग के लोग आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करते हुए उन्हें नवाचार, स्व-रोजगार और उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित कर रही है। युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक रूप देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने न केवल राजीव युवा मितान क्लब का गठन किया बल्कि युवाओं को एकजुट कर ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए। क्लब से जुड़कर युवा स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण, स्वच्छता, पेयजल संरक्षण एवं अन्य जनजागरूकता की सामूहिक गतिविधियां कर सके। युवाओं के रोजगार की जरूरतों को समझकर छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियां भी निकाली हैं। इसके साथ ही निजी क्षेत्रों में संभाग स्तरीय रोजगार मेलों के नियमित आयोजनों से प्राइवेट क्षेत्रों की प्रतिष्ठित कम्पनियों में भी रोजगार के रास्ते खुल रहे हैं।

उद्यम के क्षेत्र में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं को अनेक अवसर मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान युवाओं को उद्यम प्रोत्साहन देने के लिए कई नवाचारी योजनाओं का संचालन जमीनी स्तर पर किया है। रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं अपितु गांव में ही जमीन, बिजली, पानी, सड़क एवं बैंकिंग लिंकेज की सुविधा से स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा मिल रहा है। इस तरह सरकार स्थानीय जरूरतों के मुताबिक रोजगार उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर अब युवाओं को व्यवसाय के अलावा स्व-रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विशेषकर आदिवासी बाहुल्य और पिछड़े क्षेत्रों में सरकार ने परम्परागत कार्यों से लोगों को जोड़ा है और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान कर रही है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों को न केवल संग्रहित किया जा रहा है बल्कि स्थानीय स्तर पर उनके प्रसंस्करण यूनिट्स की स्थापना और मार्केटिंग से भी जोड़ा गया है। इसी कड़ी में शहरों में सी-मार्ट की स्थापना की गई है ताकि गांवों में उत्पादित होने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स का विक्रय किया जा सके। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू किए गए रोजगार मिशन से भी युवाओं को बहुत लाभ हो रहा है। इस माध्यम से सरकार ने उद्योगपतियों, प्रशिक्षकों और रोजगार ढूढ़ रहे युवाओं को एक चैनल के जरिए जोड़ने का सफल प्रयास किया है। युवाओं को आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बीच आर्थिक दिक्कतों को खत्म करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बेरोजगारी भत्ता योजना की शुरूआत की। इसके साथ ही युवा प्रतिभाओं को निखारने और उनमें कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी सरकार चला रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार खेल और शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं के लगातार विस्तार पर कार्य कर रही है। प्रदेश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, अधोसंरचना और सुविधाओं के विकास तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का कार्य भी किया जा रहा है। खेल प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक और युवा महोत्सव जैसे वृहद आयोजन भी किए जा रहे हैं, जहां युवा सहभागिता को प्राथमिकता दी जा रही है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम एवं निरंतर प्रयासरत रहना आवश्यक - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि जीवन में बड़े लक्ष्य की प्राप्ति एवं अपने सपने को साकार करने के लिए साकारात्मक सोच के साथ-साथ कठिन परिश्रम एवं निरतंर प्रयासरत रहना अत्यंत आवश्यक है। श्री शर्मा ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए पूरे मनोयोग से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर कार्य करते रहना चाहिए।

श्री शर्मा आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप जिले के बेरोजगारी भत्ता योजनांतर्गत पात्र हितग्राहियो को रोजगार एवं स्वरोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैंप के समापन अवसर पर उपस्थित युवा-युवतियों को संबोधित कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय के महादेव भवन गंजपारा में 14 एवं 15 जुलाई को आयोजित जिला स्तरीय प्लेसमेंट कैंप आज समापन किया गया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित नवयुवकों को जीवन में उपलब्धि हासिल करने तथा उनके सपने को साकार करने के संबंध में महत्वपूर्ण टिप्स दिया। उन्होंने कहा कि सफलता केवल एक बार में हासिल होने वाली चीज नहीं है। उसके लिए निरंतर मेहनत, त्याग एवं अपने कार्य के प्रति समर्पण होना जरूरी है। श्री शर्मा ने कहा कि हम सभी ने विपरीत आर्थिक परिस्थितियों एवं हालातों के बावजूद अनेक सफलतम लोगों का जीवन में उपलब्धि हासिल करने का उदाहरण सुना है। वे सभी लोगों ने पूरी ईमानदारी के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास कर अपने सपनों को साकार किया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर कार्य करने वाले व्यक्तियों को सफलता अवश्य मिलती है। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, एसडीएम श्रीमती शीतल बंसल, पंचायत विभाग के उपसंचालक श्री आकाश सोनी, सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण श्री विकास देशमुख, तहसीलदार श्री परमेश्वर मण्डावी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के लिए अंतिम दिन आज कुल 557 लोगों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें से 116 नवयुवकों को प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित अलग-अलग कंपनियों के द्वारा अपने-अपने कंपनियों में नियोजित किया गया।

मंत्री मोहन मरकाम ने ली विभागीय बैठक

बैठक में योजनाओं की प्रगति की ली जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण मंत्री मोहन मरकाम ने 14 जुलाई को पदभार ग्रहण करने के बाद आज 15 जुलाई को न्यू सर्किट हाउस रायपुर में विभागीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक सौजन्य बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

मंत्री मोहन मरकाम ने विभागीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभाग में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक वर्ग के जनसंख्या का 85 प्रतिशत से अधिक का उनके हितार्थ का योजना संचालित हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता के साथ संचालित करना है।

सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग श्री डी.डी. सिंह एवं आयुक्त श्रीमती शम्मी आबिदी द्वारा विभागीय योजनाओं के तहत आदर्श एकलव्य आवासीय विद्यालय, प्रयास आवासीय विद्यालय, छात्रावास-आश्रम संचालन, शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति वितरण, युवा कैरियर निर्माण, वन अधिकार पत्रों का वितरण, संविधान के अनुच्छेद 275 (1), विशेष केंद्रीय सहायता, अनुसूचित जाति उपयोजना, आदि आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, क्रीड़ा परिसर, राहत योजना, निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की गतिविधियों की जानकारी भी ली गई। विभाग के संयुक्त सचिव सुरेश दुबे, अपर संचालक संजय गोंड़, जितेन्द्र गुप्ता, आर.एस. भोई, ए.आर. नवरंग, उपायुक्त प्रज्ञान सेठ, संयुक्त संचालक जी. आर. मरकाम, सहायक आयुक्त रायपुर तारकेश्वर देवांगन भी उपस्थित थे।

विधानसभा निर्वाचन के दृष्टिगत सभी अधिकारी आपसी समन्वय से करें कार्य - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक मीणा उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि मतदान सामग्री का वितरण डोंगरगांव एवं डोंगरगढ़ से होगा। वहां स्ट्रांग रूम होगा तथा सुरक्षा बलों की तैनाती होगी। मतदान के बाद ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन मण्डी परिसर बसंतपुर स्थित स्ट्रांग रूम में ले आएंगे। उन्होंने बताया कि ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन के प्रति मतदाताओं में जागरूकता लेने के लिए कलेक्टोरेट एवं सभी तहसील कार्यालयों में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना की गई है। प्रत्येक विधानसभा में मोबाईल डेमोन्सट्रेशन वाहन के साथ सुरक्षा बल जरूर रहे। टीम को इसके लिए प्रशिक्षित किया गया है। फर्स्ट लेवल चेकिंग के बाद ईव्हीएम वेयर हाऊस में सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत सीईओ एवं एसडीएम रिटर्निंग ऑफिसर रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि तहसीलों में लगातार सभा एवं रैली का आयोजन होते रहेगा। इसके लिए एसडीएम एवं एसडीओपी आपस में समन्वय करेंगे। इसके साथ ही राजनीतिक दलों से भी समन्वय बनाएंगे। हेलीपेड सुरक्षित स्थानों में बनाने के लिए एसडीएम एवं एसडीओपी स्थानों का चिन्हांकन करें। उन्होंनें कहा कि अंतर्राज्यीय सीमा एवं अंतर्जिला चेक पोस्ट स्थापित कर निर्वाचन के दौरान सघन जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई एवं मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के सेक्टर एवं रूट की जानकारी रखने की जरूरत है। उन्होंने एफएसटी एवं एसएसटी, सुरक्षा बलों के रहने की व्यवस्था के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मोबाईल से कनेक्टिविटीबनी रहे, इसके लिए मतदान क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहले से व्यवस्था कर लें। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के बार्डर से लगे होने के कारण व्यय संवेदनशीलता की श्रेणी में आने से विशेष रूप से ध्यान देते हुए कार्य करने की जरूरत है। कार्ययोजना के साथ ही व्यवस्थित एवं समन्वित तरीके से सभी को कार्य करने की आवश्यकता है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी एक-दूसरे से समन्वय करेंगे और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी कार्य करेंगे। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि निर्वाचन के दौरान प्रलोभन, शराब के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए संयुक्त कार्रवाई करने की आवश्यकता होगी। इसके लिए एक समन्वय बैठक कर लें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दृष्टिगत शराब के अवैध परिवहन को रोकने के लिए बार्डर के चेक पोस्ट में पुलिस विभाग एवं आबकारी विभाग को संयुक्त रूप से कड़ी कार्रवाई करना होगा।

मंत्री अकबर ने मिनीमाता व नामदेव समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज को शासन-प्रशासन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका बनाने के लिए विशेष कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर आज कवर्धा में 25 लाख रूपए की लागत से मिनीमाता सामुदायिक भवन और 10 लाख रूपए की लागत से नामदेव समाज की मांग पर मुख्यालय कवर्धा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।

मंत्री अकबर ने समाज को सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री अकबर ने कहा कि राज्य शासन द्वारा सर्व समाज का उत्थान और सशक्त बनाने की दिशा में पूरा प्रयास किया जा रहा है।

हम आगे भी समाज के हितों के लिए काम करते रहेंगे। सतनामी समाज, नामदेव समाज के प्रतिनिधियों ने पूरे समाज की तरफसे इस भवन की सौगात के लिए मंत्री अकबर को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीमा अगम अनंत, नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवाराम साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष जमील खान, पार्षद अशोक सिंह, नरेन्द्र देवांगन, मोहित महेश्वरी, संजय लांझी, नरेन्द्र देवांगन, सुनील साहू, एल्डरमेन कौशल कौशिक, दलजीत पाहुजा, पार्षदगण, एल्डरमेन सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण सहित अधिक संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री श्री अकबर ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को विकास के मुख्य धारा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। समाज की मांग पर सामुदायिक भवन की घोषणा की गई और आज भवन निर्माण का भूमिपुजन किया गया।

सामुदायिक भवन निर्माण होने से समाज के समाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सहुलियत होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना और जनहित से जुड़े मांग, समस्याओं का प्राथमिकता में निदान भी किया जा रहा है। उन्होने कहा कि हम आगे भी समाज के उत्थान और उन्हे विकास के मुख्यधारा में लाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन 21 तक

कांकेर। कांकेर जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतागढ़, कांकेर, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर एवं दुर्गकोंदल में कक्षा 7वीं, 8वीं एवं 9वीं में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए लेटर एंट्री के माध्यम से चयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। लेटर एंट्री में प्राप्त मेरिट सूची के आधार पर अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतागढ़ में कक्षा 7वीं के लिए 2 और कक्षा 9वीं के लिए 6, संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कांकेर में कक्षा 7वीं के लिए बालक 01, कक्षा 9वी के लिए बालक 3, कन्या एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय नरहरपुर के लिए कक्षा सातवीं में एक और कक्षा 9वी में तीन, संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय दुर्गकोंदल में कक्षा आठवीं और नौवीं के लिए एक-एक बालक के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाएगा।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

नशे के खिलाफ आईजी यादव ने शुरू किया 'हैलो जिन्दगी' अभियान

रायपुर (ए)। रायपुर रेंज आईजी अजय यादव ने शनिवार को रायपुर जिले में नशे के विरूद्ध व्यापक जन जागरूकता अभियान ''हैलो जिन्दगी'' का शुभारंभ किया। इस दौरान आईजी और एसएसपी ने जन जागरूकता के लिए तैयार गाड़ियों को सिविल लाईन स्थित सी-4 भवन से झंडी दिखाकर रवाना किया। ये गाड़ियां विशेष तौर पर जन जागरूकता के लिए तैयार की गई है जो सभी थाना क्षेत्रों में घूमकर लोगो को नशा मुक्ति हेतु और नशे से होने वाले नुकसान के संबंध में जागरूक करेगी।

नशे के विरूद्ध इस जागरूगता अभियान में रायपुर पुलिस सहित आम जनता, डॉक्टर्स, स्कूल-कॉलेज के छात्र, स्वयं सेवी संगठन, गैर शासकीय संगठन एवं विभिन्न सामाजिक संगठन भी स्वस्फूर्त शामिल हों रहे है। इस जागरूकता अभियान के तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों, पब्लिक प्लेसेस, हाउसिंग सोसायटी, मोहल्ले, स्कूल/कॉलेज, यूनिवर्सिटी शासकीय एवं निजी कार्यालयों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न माध्यमों से नागरिकों को जागरूक किया जायेगा। साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक जागरूकता का संदेश पहुंचाया जाएगा। जन जागरूकता हेतु शहर के विभिन्न स्थानों में वॉल पेंटिंग करवाया जा रहा है साथ ही प्रमुख स्थानों में बैनर और पोस्टर भी लगवाए जा रहे है।

लोगो को जागरूक करने हेतु वीडियो संदेश भी बनाए गए है जिसको सिनेमा घरों और सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

शादी का झांसा देकर एक युवती से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

धमतरी (ए)। झांसा देकर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। वहीं पीड़िता की शिकायत पर बिरेझर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ग्राम अंवरी निवासी आरोपी अजय निर्मलकर ने बिरेझर पुलिस चौकी क्षेत्र की एक युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर उसके साथ वर्ष 2017 से दुष्कर्म कर रहा था।

वहीं जब युवती ने शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया, जिसके बाद पीड़िता पुलिस चौकी बिरेझर पहुंची और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

बच्चे का शव लेकर जा रहे एंबुलेंस की ट्रक से भिड़त, तीन की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। मेकाज में शनिवार को एक बच्चे की मौत होने के बाद उसके शव को सरकारी शव वाहन में लेकर निकली एंबुलेंस की ट्रक से भिडंत हो गई। हाड़िगाव और बड़गांव के बीच आमने-सामने हुई इस टक्कर में बच्चे के शव को लेकर जा रहे मां-पिता व एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा जिले के माकड़ी थाना क्षेत्र में हुआ है।

ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे। घायल एंबुलेंस चालक को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं हादसे के बाद ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार जगदलपुर मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में आज सुबह एक बच्चे की मौत हो गई, जिसके बाद बच्चे के मां-पिता के द्वारा 1099 में फोन करके निशुल्क घर तक पहुंचाने वाले शव वाहन को फोन किया गया। जिसके बाद अस्पताल से बच्चे के शव को लेकर उसके मां पिता और एक अन्य रिश्तेदार जगदलपुर से निकले। जहां दोपहर 3.30 बजे के लगभग रायपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक व शव वाहन के बीच भिड़ंत हो गई।

हादसे में वाहन चालक को गंभीर चोट आई, जबकि उसके मां-पिता और रिश्तेदार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तत्काल बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसे थाना ले गई। घायल को अस्पताल और मृतकों के शव को पीएम भिजवाया गया। घटना में मृतक बच्चे के परिजनों की भी मौके पर मौत होने के कारण किसी का भी नाम नहीं मिल पाया है। शवों की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना दी गई है।

हाइटेंशन तार से युवक की मौत, नौकरी व मुआवजा की मांग को लेकर जाम

रायगढ़ (ए)। हाईटेंशन विद्युत तार गिरने से युवक की मौत के बाद शनिवार को पुराना मोहल्ला गांजा चौक के लोगों ने बिजली विभाग का घेराव किया। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी के लोग प्रदर्शन करने पहुंचे थे। लोगों ने बिजली कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजा राशि और मृतक के परिजन को सरकारी नौकरी देने की मांग की। घंटों के धरना प्रदर्शन के बाद बिजली कंपनी के अधिकारियों ने जल्द से जल्द शासन के नियमानुसार सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। भीड़ का नियंत्रित करने कोतवाली थाने के प्रभारी और कर्मचारी वहां उपस्थित हुए। शुक्रवार दोपहर बाजीराव पारा इलाके में विश्वास चर्च के पास दवा व्यवसायी के कर्मचारी अनिरुद्ध गुप्ता की विद्युत तार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। अनिरुद्ध दवा की डिलीवरी देने जा रहा था तभी उसके ऊपर 11 केवी लाइन का तार टूटकर गिर गया। बारिश के साथ अंधड़ चलने से पेड़ की डाल टूटकर बिजली तार पर गिरी और तार टूटने से नीचे से गुजर रहा अनिरुद्ध चपेट में आ गया था। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद कयाघाट में दाह संस्कार किया गया।

इसके बाद मोहल्ले वासी विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचे और घेराव किया। लोग सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने दोषी अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई की भी मांग की। जिला भाजपा अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर मृतक के परिजन को 50 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। बिजली कंपनी के नियम के तहत इस तरह के हादसे में मौत पर चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है।

रायपुर के निको कंपनी के अधिकारी ने खुद को गोली मारी, लाइसेंसी पिस्तौल से की खुदकुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में निको कंपनी के अधिकारी ने अपने घर पर खुदकुशी कर ली। उसने अपने की लाइसेंसी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के समय घर पर उसकी पत्नी भी थी। पति की खुदकुशी से वह बदहवास हो गई है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना खमतराई थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार भनपुरी से लगे धन लक्ष्मी नगर निवासी आलोक सिंह (45) ने अपने घर पर खुद की लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह 3 बच्चों व पत्नी साथ यहां रह रहा था। निको इस्पात में वह अधिकारी था। दो दिन पहले उसने नौकरी से इस्तीफा दिया और अब खुदकुशी कर ली है। घटना शुक्रवार दोपहर 12 बजे की बताई जा रही है। घटना के समय उसकी पत्नी घर पर थी और बच्चे स्कूल गए हुए थे। अचानक कमरे से फायर की आवाज आई। पत्नी ने जाकर देखा तो आलोक सिंह लहूलुहान अवस्था में फर्स पर पड़ा हुआ था।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच के दौरान पता चला है कि जिस पिस्तौल से उसने खुद को गोली मारी उसे उत्तर प्रदेश से लिया था और वहीं से लाइसेंस भी लिया। बाद में छत्तीसगढ़ से लाइसेंस ट्रांसफर हुआ। फिलहाल आत्महत्या का कारण पुलिस को पता नहीं चल पाया है। वहीं कुछ लोगों से मृतक के लेनदेन की बातें सामने आई हैं। वहीं मृतक वर्कलोड से भी परेशान था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मवेशियों को बचाते हुए पलटी पोल्ट्री फॉर्म की पिकअप, सड़क पर मच गई मुर्गियों की लूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मुर्गियों की लूट मामला सामने आया है। दरअसल जिले के उरगा-हाटी मुख्य मार्ग पर तौलीपाली के पास पोल्ट्री फॉर्म की पिकअप पलट गई। पिकअप पलटने से कई मुर्गियां मर गई। ग्रामीणों को जैसे ही इसकी जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में सड़क पर पहुंचे और मुर्गियों को लूटना शुरू कर दिया। इस दौरान जिसके हाथ जितनी मुर्गियां लगती वे उतना उठाकर ले जा रहे थे। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची तब जाकर मुर्गियों की लूट रूकी।

मिली जानकारी के अनुसार पिकअप में मुर्गी भर कर इसे ग्राम कुनकुरी पहुंचाने के लिए पोल्ट्री फार्म के ड्राइवर व हेल्पर रवाना हुए। तौलीपाली के पास सड़क पर काफी संख्या में मवेशी बैठे हुए थे। पिकअप चालक मवेशियों को बचाने के चक्कर में अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क पर उसकी गाड़ी पलट गई। पिकअप पलटने से कई मुर्गियों की मौत हो गई। जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंच गई और लोगों ने मुर्गी लूटना शुरू कर दिया। कुछ देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मुर्गियों की लूट रोकी। हादसे में ड्राइवर व हेल्पर को किसी प्रकार की चोट तो नहीं आई लेकिन काफी नुकसान हो गया।

युवती ने की आत्महत्याः परिवार वाले घर से काम पर चले गए, तब मौका देख लगा ली फांसी

सक्ती (ए)। सक्ती जिले में शनिवार को 23 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश कमरे में फांसी के फंदे पर लटकती हुई मिली। युवती ने जिस वक्त फांसी लगाई, उस वक्त घर में कोई भी नहीं था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मामला अड़भार चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, अड़भार चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरौदा की रहने वाली कविता यादव (23 वर्ष) शनिवार को अपने घर में अकेली थी। घर के लोग अपने-अपने काम से बाहर गए हुए थे, वहीं उसके पिता सम्मेलाल यादव भी दवाई लाने के लिए दुकान गए हुए थे।

पिता जब दवाई लेकर घर पहुंचे, तो उन्होंने बेटी को आवाज लगाई, जब उसने कोई जवाब नहीं दिया, तब वे उसके कमरे

में पहुंचे। कमरे में बेटी के शव को फांसी के फंदे पर लटकता देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत घरवालों और आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी।

इसके बाद घटना की जानकारी अड़भार चौकी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को फांसी के फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए हैं। युवती ने आत्महत्या क्यों की, इस बारे में परिवारवाले भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं।

पुलिस युवती के दोस्तों और जान-पहचानवालों से भी पूछताछ की तैयारी कर रही है। पोस्टमॉर्टम करवाकर फिलहाल मृतका के शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। अड़भार चौकी प्रभारी योगेश पटेल ने बताया कि हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है।

जांजगीर चांपा में पकड़ाई नशे की खेप, 14 कार्टून व 3 बोरियों में भरकर रखी गई थी नशीली सिरप

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले पुलिस ने नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। जिले के बालपुर में एक शख्स ने 14 कार्टून और 3 बोरियों में भरकर नशीली सिरप रखी थी। 2340 नग नशीली सिरप पुलिस ने जब्त किया है कि जिसकी कीमत 3 लाख 64 हजार 200 रुपए बताया जा रहा है। यह पूरा मामला चांपा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार चांपा पुलिस को सूचना मिली कि बालपुर निवासी लक्ष्मी प्रसाद चौहान अपने मकान में बड़ी संख्या में नशीली सिरप बिक्री करने के लिए रखा हुआ है। मौके पर

पुलिस ने उसके मकान में रेड मारी। इस दौरान आरोपी लक्ष्मी प्रसाद के पास से 14 नग कार्टून और 3 बोरी में भरे कार्टून कुल 17 नग कार्टून में 2340 नग मैक्सकाफ सिरप और ऑनरेक्स कफ मिला है। बोरियों में 100 एमएल की सिरप की छोटे बोतलें भर कर रखी गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 हजार रुपए नगद, एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

पूछताछ में लक्ष्मी प्रसाद चौहान ने बताया कि अप्रैल माह में चांपा के रहने वाले मुख्य आरोपी अरसद खान ने उसके मकान में फोन कर चार पहिया वाहन में 30 पेटी कार्टून रखा था और असरद खान के आदमी फोन कर ले जाया करते थे। एक सिरप के पीछे 50 रु दिया करते थे। साथ ही चिल्हर भी नशीली सिरप को बेचा करता था। लक्ष्मी प्रसाद चौहान के खिलाफ धारा 21सी और 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। वहीं मुख्य आरोपी अरसद खान फरार है।

मामा के घर आई युवती से दुष्कर्मः आरोपी ने कहा- तुम्हारी मां की तबीयत खराब है, फिर ले गया अंबिकापुर

कोरबा (ए)। कोरबा में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जशपुर की रहने वाली पीड़िता अपनी मामी के घर आई हुई थी। इसी दौरान उसके पहचान के युवक ने झांसा देकर जबरदस्ती की। आरोपी उसे अंबिकापुर भी ले गया और वहां 2 महीने तक दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पूरा मामला करतला थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता रामपुर में अपनी मामी की डिलीवरी के समय मदद करने पहुंची थी और 1 महीने रूकी थी। इसी दौरान जब वह

सामान लेने दुकान जा रही थी तभी उसकी पहचान के लड़के शिव मिंज ने उसका रास्ता रोका। आरोपी ने पीड़िता से कहा कि, तुम्हारी मां की तबीयत खराब है और तुम्हे लेने आया हूं। झांसे में लेकर आरोपी ने पीड़िता को जंगल ले जाकर दुष्कर्म किया।

अंबिकापुर भी ले गया आरोपी

प्यार और शादी का झांसा देकर आरोपी उसे अंबिकापुर भी ले गया। जहां 2 महीने तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर पीड़िता अपने घर पहुंची। मां-पिता को आपबीती बताने के बाद 14 जुलाई को करतला थाने में इसकी शिकायत की गई। पुलिस ने केस दर्ज कर 24 घंटे में आरोपी शिव मिंज को जशपुर से धर दबोचा। आरोपी को कोर्ट में पेशकर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

वन विभाग ने की अपील, हरेली त्योहार में सी-मार्ट से गेड़ी खरीदे

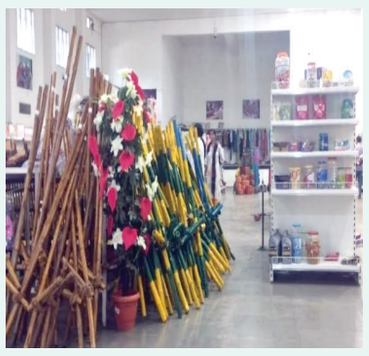

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छग सांस्कृतिक धरोहर को सहेजकर रखने छत्तीसगढ़ी संस्कृति में वर्ष के प्रथम त्यौहार के रूप में हरेली का बहुत महत्व है। इस अवसर पर प्रदेश के लोगों द्वारा गेड़ी की पूजा की जाती है एवं गेड़ी नृत्य किया जाता है जिसमें बड़ो के साथ - साथ बच्चे भी हिस्सा लेते हैं । गेड़ी के इस महत्व एवं मांग को देखते हुए बसोड़ों द्वारा इस त्यौहार पर बड़ी मात्रा में इसका निर्माण कर विक्रय किया जाता है। इन बसोड़ों को बांस वन विभाग द्वारा डिपो के माध्यम से प्रदाय किया जाता है। चूंकि बसोड़ों की सीमित संख्या एवं बाजार की अनुपलब्धता के कारण गेडियां अधिकांश लोगों को उपलब्ध नहीं हो पाती। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशाअनुरूप इस वर्ष बसोड़ों की आमदनी बढ़ाने अधिक से अधिक लोगों तक गेड़ी को पहुंचाने हेतु इनके द्वारा बनाई गई गेडियों को सी-मार्ट में विक्रय हेतु रखा गया है ताकि गेडियां अधिक से अधिक लोगों को उपलब्ध हो सके। इसके विक्रय से बसोड़ों को ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त हो सके।
वनमंडलाधिकारी शशि कुमार ने बताया कि गेड़ी निर्माण का कार्य बंसोड़ों के द्वारा शासन से सस्ती दर पर बांस प्राप्त कर बनाये गये हैं। सामान्य जोड़ी गेड़ी की क़ीमत सिर्फ़ 60 रुपये है।अन्य आकर्षक गेड़ी की दर अलग-अलग है।उन्होंने आमजन और गेड़ी खेल प्रेमियों से अपील की है कि छत्तीसगढ़ राज्य के इस पारम्परिक त्यौहार को उत्साहपूर्वक मनाने एवं सस्ती दर पर सी-मार्ट के माध्यम से अधिक से अधिक गेड़ी ख़रीद कर बंसोड़ों व श्रमिकों के आर्थिक उन्नयन में सहयोग कर एक अच्छे नागरिक होने के साथ-साथ छत्तीसगढिया होने का परिचय दे।

निगम कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी, अगस्त से मिलेगा

दुर्ग। नगर पालिक निगम के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। अब उन्हें 38 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। अब आने वाले महीने से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता निगम के कर्मचारियों को मिलेगा और उनके खाते में अतिरिक्त राशि के साथ वेतन आएगा। निगम के लेखा अधिकारी राजकमल बोरकर ने बताया कि अगस्त महीने से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता वेतन में जुड़कर कर्मचारी व अधिकारियों को मिलेगा। महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कर्मचारियों के महगाई भत्ता 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी राशि को अगस्त माह में दिए जाने हेतु लेखाधिकारी को निर्देशित किया है। इसकी तैयारी लेखा विभाग द्वारा कर ली गई है। लेखा अधिकारी बोरकर ने बताया कि प्रथम श्रेणी के कर्मचारियों को बढे हुए महंगाई भत्ते के हिसाब से (पांच हजार) के मध्य, द्वितीय श्रेणी के कर्मचारियों को (साढ़े चार से पांच हजार) के बीच, तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों (तीन से चार) के आसपास और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को (पन्द्रह सौ से दो हजार) के मध्य की राशि अगले वेतन में जुड़कर मिलेगी। निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों को वेतन देयक माह जुलाई देय अगस्त 2023 में 3 वार्षिक वेतन वृद्धि एवं 5प्र महंगाई भत्ता स्वीकृत कर दिया गया है। इससे नगर निगम दुर्ग को लगभग 12.50 लाख रुपये प्रतिमाह अधिभार पड़ेगा।

4 वार्डों की जनता को मिली वार्ड में ही अस्पताल जैसी सुविधा की सौगात

3.7 करोड़ से बनाए जा रहे हैं 10 वार्ड में सर्व सुविधायुक्त हमर क्लिनिक : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने शनिवार को बोरसी भाठा वार्ड 50, तितुरडीह, उरला एवं कातुलबोड के 4 वार्ड की जनता को हमर क्लिनिक की सौगात दी। 25 लाख के निर्माण एवं 12 लाख के सेटअप के साथ शहर के 22 वार्डों के स्लम क्षेत्र में घर के निकट बेहतर से बेहतर मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा प्रदाब करने के लिए वोरा लगातार प्रयासरत रहे एवं शासन से स्वीकृति भी दिलाई जिसके बाद प्रथम चरण में स्वीकृत 10 वार्डों में से 4 हमर क्लिनिक अब स्वयं के साफसुथरे एवं सर्वसुविद्वायुक्त भवन में संचालित होंगे।

लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक वोरा ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार सबको शिक्षा सबको स्वास्थ्य सबको राशन बेहतर से बेहतर स्तर पर उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध है। जल्द ही 6 और वार्डों के हमर क्लिनिक बनकर तैयार हो जाएंगे जिससे ना सिर्फ जिला अस्पताल पर दबाव कम होगा बल्कि लोगों के समय व पैसों की भी बचत होगी। वार्ड में ही एमबीबीएस डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता से बुजुर्गों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मुफ्त दवाएं मुफ्त ओपीडी से स्लम क्षेत्रों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहेगा। शहर में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तृत किया जा रहा है जिला अस्पताल जैसी सुविधाएं विकसित करने के लिए शहर में बघेरा, पोटिया एवं धमधा नाका स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का अब हमर अस्पताल के रूप में उन्नयन किया जा रहा है। 50-50 लाख की राशि खर्च कर अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सोनोग्राफी, एक्स रे, डेंटल क्लिनिक, फिजियोथेरेपी सुविधाओं के साथ 24 घंटे ओपीडी एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध रहेगी साथ ही चौबीसों घंटे डॉक्टरों की मौजूदगी रहेगी। वोरा ने कहा कि 15 वर्षों के भाजपा शासन में दुर्ग शहर में स्वास्थ्य सेवाएं केवल जर्जर जिला अस्पताल के भरोसे चल रही थीं लेकिन विगत 4 वर्ष में ना सिर्फ जिला अस्पताल को मेट्रो सिटी की तर्ज पर स्मार्ट बनाया गया है बल्कि हर वार्ड में जनता के लिए घर के द्वार पर मुफ्त एवं बेहतर इलाज उपलब्ध कराया गया है। लोकार्पण के दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव, पार्षद बृजलाल पटेल, जयश्री जोशी, अरुण सिंह, ज्ञानदास बंजारे, बिजेंद्र भारद्वाज, सीएमएचओ डॉ जे पी मेश्राम, डॉ राजेन्द्र खंडेलवाल, एल्डरमैन राजेश शर्मा, अंशुल पांडेय, प्रोग्राम मैनेजर टार्जन आदिले सीजीएमएससी के अभियंता ललित वर्मा एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भिलाई के छात्र रोहित ने यूएई में आयोजित इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में जीता स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। होनहार छात्र रोहित पंडा ने इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड-2023 में स्वर्ण पदक जीत कर भारत और भिलाई का नाम रोशन किया है। 34वां अंतर्राष्ट्रीय जीवविज्ञान ओलंपियाड 3 जुलाई से 11 जुलाई, 2023 तक संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में हुआ। पहली बार, भारत ने पूर्ण स्वर्ण पदक हासिल किया क्योंकि भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी 4 छात्रों ने स्वर्ण पदक हासिल किए जिनमें भिलाई, छत्तीसगढ़ के रोहित पंडा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतने में कामयाबी हासिल की।
इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र जालना के मेघ धीरज छाबडा, रत्नागिरी, महाराष्ट्र के इशान पेडनेकर और कर्नाटक बैंगलोर के ध्रुव आडवाणी ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त कर भारत का परचम लहराया है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय जीवविज्ञान ओलंपियाड में 75 से अधिक देशों से 293 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 4 छात्रों की टीम का मार्गदर्शन दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, प्रोफेसर मदन एम चतुर्वेदी, और एचबीसीएसई, टीआईएफआर से अनुपमा रोनाड ने किया। इसके अतिरिक्त, दो वैज्ञानिक पर्यवेक्षक, बेंगलुरु में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज से वीवी बिनॉय और एनआईआरआरएच, मुंबई से रामबहादुर सुबेदी भी टीम के साथ थे। छात्रों को 4 कठिन चरणों के बाद चुना गया था और उन्हें एचबीसीएसई में प्रशिक्षण शिविर से गुजरना पड़ा था।
उल्लेखनीय है कि होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र, टीआईएफआर प्री-यूनिवर्सिटी के छात्रों के बीच विज्ञान और गणित में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, खगोल विज्ञान, जूनियर विज्ञान और गणित में ओलंपियाड परीक्षाओं का आयोजन करता है। रोहित पंडा के इस उपलब्धि पर संपूर्ण भलाई बिरादरी ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है।

सेल में 20 नये कार्यपालक निदेशकों की सूची जारी

भिलाई के दो मुख्य महाप्रबंधक पदोन्नत होकर कार्यपालक निदेशक बने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 15 जुलाई 2023 को नई दिल्ली 'सेल' से जारी सूची में पूरे सेल से 20 मुख्य महाप्रबंधक, पदोन्नत होकर कार्यपालक निदेशक बने हैं। इसमें बोकारो इस्पात संयंत्र में मुख्य महाप्रबंधक (खदान) के पद पर कार्यरत रहे बी के गिरी पदोन्नत होकर भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यपालक निदेशक नियुक्त किये गये हैं। साथ ही आईएसपी के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पवन कुमार भिलाई इस्पात संयंत्र के नये कार्यपालक निदेशक के पद पर नियुक्त किये गए हैं।
इस सूचि में भिलाई इस्पात संयंत्र के दो अधिकारी, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी समीर स्वरुप पदोन्नति पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक नियुक्त किये गए हैं। इसी तरह भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक एस के कर पदोन्नत होकर आरडीसीआइएस रांची के कार्यपालक निदेशक बनाये गये हैं। निदेशक प्रभारी सभागार में निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने नव पदोन्नत अधिकारियो को पदोन्नति आदेश दिए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एवं अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक सुब्रत मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ प्रमोद बिनायके भी उपस्थित थे।

बीएसपी नगर सेवा के मुख्य महाप्रबंधक से चेम्बर के पदाधिकारियों ने मुलाकात की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र नगर सेवा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक अजय सपकाले यादव के साथ उनके कक्ष में स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों की बैठक अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन के नेतृत्व में संपन्न हुई । बैठक में महाप्रबंधक लीज एवं संपदा विजय शर्मा एवं कनिकदले सहायक महाप्रबंधक शाप एवं लीज भी उपस्थित थे प्रतिनिधि मंडल में रामकुमार गुप्ता, सुरेश रतनानी, दिनेश सिंघल,रामकिशन मूंदड़ा, निवास खेडिया, राकेश दोढी ,वेद प्रकाश गुप्ता, एस सजीव ,अजय कनौजिया ,शेखर संगेवार, पी.रवि नारायण, विकास शर्मा, गुरनाम सिंह ,राजेश सिंह,श्रीकांत उपाध्याय, मुकेश राजपूत सहित प्रत्येक सेक्टर के प्रतिनिधि बैठक में शामिल थे।
स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स भिलाई के सलाहकार सदस्य एवं सेक्टर 10 व्यापारी संघ के अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता ने व्यापारियो सहित सामाजिक ,शैक्षणिक धार्मिक संस्थाओं की समस्याओं पर अपनी बात रखते हुए कहा कि ऐसे दुकानदार सहित जिन्होंने लीज का पैसा जमा कर दिया लेकिन कई वर्षों से लीज डीड की कॉपी उन्हें नहीं मिली जिनकी संख्या लगभग 700 के आसपास है और इनमें से 21 दुकानदारों की लीज पूर्व वर्षों में हो चुकी है गुप्ता ने बताया कि लगभग 675 दुकानदारों को संबंधित विभागीय अधिकारी पंजीयन हेतु आमंत्रित कर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाये । इस विषय पर अधिकारियों ने अपनी सहमति दी

न्यू सिविक सेंटर रेसिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राकेश ढोडी ने प्रतिमाह वसूले जाने वाले पैनल रेट को प्रबंधन तत्काल प्रभाव से समाप्त करे और वन टाइम पेनाल्टी सिस्टम लागू कर व्यापारियों के आवास अथवा दुकानों को नियमित किया जाना चाहिए शारीरिक मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना से राहत दी जानी चाहिए।
सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने व्यापारियों को पीडीएफ फाइल के माध्यम से भेजे जाने वाले बिजली बिलों में सभी उपभोक्ताओं के पास स्मार्ट मोबाइल नहीं होने की बात कही और छोटे एवं सामान्य मोबाइल में पीडीएफ नहीं खुलने की शिकायत की जैन ने कहा कि व्यापारियों को पीडीएफ फाइल के साथ-साथ मैसेज के माध्यम से भी बिलों की सूचना भेजी जाए ताकि व्यापारी बिजली बिलों का भुगतान समय पर कर सके । इस पर भी मुख्य महाप्रबंधक ने बताया कि वर्तमान समय में प्रक्रिया ट्रायल में है शीघ्र अति शीघ्र सुधार किया जाएगा और पीडीएफ के साथ मैसेज के माध्यम से भी बिल भेजा जाएगा।

मर्चेंट मिल ने टीएमटी 25 के उत्पादन में स्थापित किया नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मर्चेंट मिल ने दिनांक 14 जुलाई 2023 को टीएमटी 25 का रिकॉर्ड उत्पादन करते हुए एक नयी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के माध्यम से मर्चेंट मिल ने अपने कार्यकाल में नए मापदंड स्थापित किए हैं। मर्चेंट मिल ने टीएमटी 25 प्रोफाइल में 2269 टन का दैनिक उत्पादन और 799 टन का पाली उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।
इस विशेष अवसर पर संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने मर्चेंट मिल का दौरा कर मिल बिरादरी को बधाई दी और निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित करने हेतु उनका मनोबल बढ़ाया। निदेषक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें यह आश्वासन दिया कि उनकी मेहनत और प्रगति को संवर्धित करने के लिए संगठन का पूरा समर्थन है। संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले मर्चेंट मिल के अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

इससे कर्मचारियों को एक नया आत्मविश्वास और संघर्ष करने की प्रेरणा मिली जिससे आगे के लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद मिलेगी। निदेषक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) के दौरे से मर्चेंट मिल के सभी सदस्यों को गर्व का अनुभव कराया और उन्हें उत्साहित किया कि वे अपने क्षेत्र में उच्चतम स्तर की उत्प्रेरणा और प्रगति प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहें।

राजेन्द्र साहू ने किया समितियों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र साहू ने सेवा सहकारी समिति चंदखुरी, अण्डा, सिर्री, गाड़ाडीह, मर्रा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समितियों में चल रहे ऋण वितरण, खाद वितरण एवं वर्मी कम्पोस्ट वितरण की समीक्षा की। उन्होंने समितियों में उपस्थित कृषकों से बातचीत की एवं पूछा कि उन्हें किसी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही है। कृषकों द्वारा समितियों के कामकाज से संतुष्टि जाहिर की गई एवं बताया कि उनके सभी कार्य समय पर हो रहे है। अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने किसानों को वर्मी कम्पोस्ट के लाभ एवं रासायनिक खाद की नुकसान को बताते हुए अधिक से अधिक वर्मी खाद वितरण एवं उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने कालातीत ऋणों की वसूली हेतु विशेष प्रयास करने समिति प्रबंधको को निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान चंदखुरी समिति के प्राधिकृत अधिकारी खिलेन्द्र निर्मलकर, कोलिहापुरी के प्राधिकृत अधिकारी गुहाराम देशमुख, समिति सिर्री के प्राधिकृत अधिकारी युवराज सिंह चन्द्राकर, समिति गाड़ाडीह के प्राधिकृत जगन्नाथ देवांगन मर्रा एवं समिति प्रबंधक बीरेंद्र यदु उपस्थित थे। इसी बीच बैंक शाखा अण्डा का निरीक्षण किया एवं बैंकिंग लेन-देन से संबंधित जानकारी ली। शाखा निरीक्षण के दौरान अमानतदारों एवं कृषकों से पूछा कि बैंक द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं हो रही है। शाखा के अमानत एवं ऋणों की समीक्षा करते हुए ऋण वितरण में वृद्धि करने, खातेदारों की संख्या बढ़ाने तथा कृषि ऋण के अलावा गैर कृषि ऋणों का अधिक से अधिक वितरण करने ताराचंद पाटिल शाखा प्रबंधक को निर्देशित किया।

शहर में लगेंगे 12 वाटर एटीएम, 35 लाख रुपए होंगे खर्च

विधायक देवेन्द्र की पहल पर होंगे 66 लाख से ज्यादा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में लगातार करोड़ों की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने अपने विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों की सुविधाओं के लिए 66.63 लाख की लागत से और सौगात देने वाले हैं। खासकर शहर में शुद्धपेयजल के लिए 12 वाटर एटीएम लगाए जाएंगे।

विधायक देवेन्द्र की पहल पर 35 लाख रुपए की लागत से भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के अलग अलग वार्डों में 12 वाटर एटीएम लगाए जाएंगे। इसके अलावा भी कई विकास कार्य होंगे। इसके लिए विधायक देवेंद्र यादव की पहल पर शासन ने स्वीकृति दे दी है। भेंट मुलाकात के दौरान विधायक श्री यादव से क्षेत्र के नागरिकों ने जो मांगे की थी। उन मांगों को पूरा किया जा रहा है। जोन 5 क्षेत्र में 24 लाख की लागत से 8 नग वाटर एटीएम लगाया जाएगा।
इसमें सेक्टर 4 सर्वेश्वर धाम के पास, सेक्टर 4 पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास, सेक्टर 7 बस्ती के पास, सेक्टर 7 एवेन्यु बीके पास, सेक्टर 8 मार्केट के पास, सेक्टर 10 सड़क 18 के पास, सेक्टर 9 मार्केट के पास बनाया जाएगा। इसके अलावा करीब 4 लाख की लागत से सेक्टर 9 हास्पिटल सेक्टर मार्केट के पास वाटर एटीएम स्थापना की जाएगी। 9 लाख की लागत से जोन 3 क्षेत्र में 3 नग वाटर एटीएम की स्थापना की जाएगी। सेक्टर 1 जनता कार्यालय के पास, सेक्टर 1 सड़क 35 एवं 36 उद्यान के पास और सेक्टर 2 अयप्पा मंदिर रोड के पास लगाया जाएगा।

वार्ड 70 मंदिर हुडको में दुर्गा मंदिर के पास शेड निर्माण एवं प्रकाश व्यवस्था 4 लाख 99 हजार की लागत से बनाया जाएगा। इसी प्रकार वार्ड 70 में मंदिर के पास टीन शेड एवं प्रकाश व्यवस्था 2 लाख की लागत से किया जाएगा। 3 लाख की लागत से वार्ड 65 सेक्टर 10 स्थित ब्लॉक 12 सड़क 33 के समीप बैडमिंटन कोर्ट निर्माण कार्य किया जाएगा। 4 लाख की लागत से वार्ड 65 सेक्टर 10 सड़क 33 ए में स्थापना मंदिर के समीप मंच निर्माण किया जाएगा। 70 हजार की लागत से वार्ड 67 में जिम सामग्री लगवाया जाएगा।

4 लाख से बनेगा डोम शेड

4 लाख की लागत से वार्ड 60 सेक्टर 5 स्थित बालाजी मंदिर के समीप डोम शेड निर्माण किया जाएगा। इस प्रकार कुल भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में करीब 66.63 लाख की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। 3 लाख की लागत वार्ड 67 सेक्टर 7 सड़क 40 स्थित मंदिर के पास मंच निर्माण किया जाएगा। 2 लाख की लागत से वार्ड 68 वीर हनुमान मंदिर के समीप सार्वजनिक शौचालय निर्माण किया जाएगा। 3 लाख की लागत से वार्ड 70 तथागत बुद्धविहार सभागार के पास सार्वजनिक मंच निर्माण किया जाएगा।

जनता की मांग हो रही पूरी

हम लगातार भेंट मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान जनता अपनी जो समस्या बताते हुए। उसका निराकरण किया जा रहा है। इस दौरान जहां वाटर एटीएम, डोम शेड आदि विकास कार्य की मांग की गई थी। उन विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। स्वीकृति मिल गई है।, जल्द ही विकास कार्य किया जाएगा।

देवेंद्र यादव, विधायक भिलाई नगर

अंतिम संस्कार हेतु निःशुल्क मिलेगी लकड़ी एवं कंडा, महापौर की घोषणा ने ली मुर्तरूप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा विधायक अरूण वोरा के मार्ग दर्शन में महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा अंतिम संस्कार के समय निःशुल्क लकड़ी एवं कण्डा दिये जाने की घोषणा बजट की सामान्यसभा अनुसार आज से प्रारंभ कर दिया गया है।अंतिम संस्कार के दौरान सभी वर्गों को निःशुल्क लकड़ी एवं कण्डा प्रदाय किये जाने से मृतक परिवार को कॉफी सुविधा इस योजना से मिलेगी। योजना का लाभ नगर निगम दुर्ग के निवासरत मृतक के परिवार को मिलेगा।महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा गरीब लोगो को होने वाली परेशानियों को देखते हुए निःशुल्क लकड़ी कंडा उपलब्ध कराना उनकी दूर दृष्टि एवं जनहित में सोच को दर्शाता है।नगर निगम द्वारा इस संबंध में निविदा जारी कर कार्यादेश जारी कर दिया गया है दाह संस्कार के दौरान प्रत्येक शव पर 2200/- का खर्च आवेगा । शव दाह हेतु 3 क्विंटल लकड़ी एवं 200 नग कण्डा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।शिवनाथ नदी मुक्तिधाम, हरनाबांधा मुक्तिधाम में ठेकेदार द्वारा लकड़ी एवं कण्डा की व्यवस्था रखा जावेगा।शेष स्थानो पर उरला, रायपुरनाका, पोटियाकला मुक्तिधाम के लिए आवश्यकतानुसार मांग आने पर तत्काल उपलब्ध कराया जावेगा। उक्त मुक्तिधाम में निगम के कर्मचारी द्वारा कूपन जारी किया जावेगा जिसके आधार पर ठेकेदार लकड़ी एवं कण्डा उपलब्ध कराया जावेगा । जिसके लिए निविदाकार या ठेकेदार एक रजिस्टर संधारित करेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950